License Information

Translation Questions (unfoldingWord) (Hindi) is based on: unfoldingWord® Translation Questions, unfoldingWord, 2022, which is licensed under a CC BY-SA 4.0 license.

This PDF version is provided under the same license.

Translation Questions (unfoldingWord)

2 शमूएल 1:1

शाऊल के मरने के बाद दाऊद ने क्या किया?

शाऊल के मरने के बाद, दाऊद अमालेकियों को मारकर लौटे और सिकलग में रहते हुए दो दिन हो गए।

2 शमूएल 1:2

तीसरे दिन, शाऊल की छावनी में से कौन दाऊद के पास आया?

तीसरे दिन एक पुरुष कपड़े फाड़े सिर पर धूल डाले हुए दाऊद के पास आया।

2 शमूएल 1:4

जवान ने शाऊल और योनातान के विषय में क्या बताया?

जवान ने कहा कि शाऊल और उनके पुत्र योनातान मर गए हैं।

2 शमूएल 1:6

समाचार देनेवाले जवान ने बताया कि उसने शाऊल को कहाँ पाया?

समाचार देनेवाले जवान ने बताया कि वह गिलबो पहाड़ पर था, और वहाँ शाऊल अपने भाले की टेक लगाए हुए थे।

2 शमूएल 1:8

समाचार देनेवाले जवान ने क्या कहा कि शाऊल ने उससे करने को कहा था?

समाचार देनेवाले जवान ने कहा कि शाऊल ने उससे उसके पास खड़ा होकर उसे मार डालने को कहा था।

2 शमूएल 1:9

शाऊल ने उस जवान अमालेकी पुरुष को उसे मार डालने के लिये क्यों कहा?

शाऊल ने उस जवान अमालेकी पुरुष को उसे मार डालने के लिये कहा क्योंकि उसने कहा, "...मेरा सिर तो घूमा जाता है, परन्तु प्राण नहीं निकलता।"

2 शमूएल 1:10

शाऊल को मार डालने के बाद उस जवान ने शाऊल से क्या लिया?

जवान ने शाऊल के सिर का मुकुट और हाथ का कंगन ले लिया।

2 शमूएल 1:11–12

जब दाऊद और उनके संग पुरूषों ने शाऊल और योनातन की मृत्यु के विषय में सुना तो उन्होंने क्या किया?

दाऊद और जितने पुरुष उनके संग थे, अपने कपड़े पकड़कर फाड़े और वे छाती पीटने और रोने लगे, और साँझ तक कुछ न खाया।

2 शमूएल 1:12

दाऊद और उनके संग पुरूषों ने और किनके लिये छाती पीटने और रोने लगे और कुछ न खाया?

दाऊद और उनके संग पुरूषों ने और यहोवा की प्रजा, और इस्राएल के घराने के लिये भी छाती पीटने और रोने लगे और कुछ न खाया क्योंकि वे तलवार से मारे गए थे।

2 शमूएल 1:14

दाऊद ने जवान अमालेकी पुरुष को क्यों मरवा डाला?

दाऊद ने जवान अमालेकी पुरुष को मरवा डाला क्योंकि उसने यहोवा के अभिषिक्त को नष्ट किया।

2 शमूएल 1:16

दाऊद ने जवान अमालेकी पुरुष को क्यों मरवा डाला?

दाऊद ने जवान अमालेकी पुरुष को मरवा डाला क्योंकि उसने यहोवा के अभिषिक्त को मार डाला।

2 शमूएल 1:17–18

शाऊल और उसके पुत्र योनातान के विषय में दाऊद ने जो विलापगीत गाया था, वह किस पुस्तक में लिखा है?

शाऊल और उसके पुत्र योनातान के विषय में दाऊद ने जो विलापगीत गाया था, वह याशार नामक पुस्तक में लिखा गया है।

2 शमूएल 1:19

इस्राएल के ऊँचे स्थान पर कौन मारा गया?

इस्राएल का शिरोमणि मारा गया।

2 शमूएल 1:20

दाऊद ने क्यों कहा कि इस्राएल का शिरोमणि मारा गया, ये गत में या अश्कलोन की सड़कों में प्रचार न करो?

दाऊद ने कहा कि इसे गत में या अश्कलोन की सड़कों में प्रचार न करो ताकि पलिश्ती स्त्रियाँ आनन्दित न हों और खतनारहित लोगों की बेटियाँ गर्व न करें।

2 शमूएल 1:21

शूरवीरों की ढालें अशुद्ध कहाँ हो गईं?

शूरवीरों की ढालें गिलबो पहाड़ों पर अशुद्ध हो गईं।

2 शमूएल 1:24

शाऊल ने इस्राएली स्त्रियों के लिये क्या किया?

शाऊल ने उन्हें लाल रंग के वस्त्र पहनाकर सुख दिया और उनके वस्त्रों के ऊपर सोने के गहने पहनाया।

2 शमूएल 1:26

योनातान का दाऊद पर प्रेम कितना बड़ा था?

दाऊद ने कहा कि योनातान का प्रेम दाऊद पर अद्‌भुत, वरन् स्त्रियों के प्रेम से भी बढ़कर था।

2 शमूएल 2:1

जब दाऊद ने यहोवा से पूछा, "क्या मैं यहूदा के किसी नगर में जाऊँ?" तो यहोवा ने उनसे क्या कहा?

जब दाऊद ने यहोवा से पूछा, तब यहोवा ने दाऊद से कहा, "हाँ, जा।"

2 शमूएल 2:2

यहोवा ने दाऊद से किस नगर में जाने को कहा?

यहोवा ने दाऊद से हेब्रोन जाने को कहा।

2 शमूएल 2:2–3

दाऊद समेत हेब्रोन में कौन गए?

दाऊद अहीनोअम और अबीगैल नामक अपनी दोनों पत्नियों समेत वहाँ गए। दाऊद अपने साथियों को भी एक-एक के घराने समेत वहाँ ले गए।

2 शमूएल 2:4

जब यहूदी लोग दाऊद के पास गए, तो उन्होंने क्या किया?

यहूदी लोग गए, और वहाँ दाऊद का अभिषेक किया, कि वह यहूदा के घराने का राजा हो।

2 शमूएल 2:8

अब्नेर कौन थे?

अब्नेर, नेर के पुत्र थे, जो शाऊल के प्रधान सेनापति थे।

2 शमूएल 2:8–9

अब्नेर ने शाऊल के पुत्र ईशबोशेत के साथ क्या किया?

अब्नेर ने ईशबोशेत को संग ले पार जाकर महनैम में पहुँचाया; और उन्हें गिलाद अशूरियों के देश, यिज्रेल, एप्रैम, बिन्यामीन, वरन् समस्त इस्राएल प्रदेश पर राजा नियुक्त किया।

2 शमूएल 2:11

दाऊद का हेब्रोन में यहूदा के घराने पर राज्य करने का समय कितने वर्ष था?

दाऊद का हेब्रोन में यहूदा के घराने पर राज्य करने का समय साढ़े सात वर्ष था।

2 शमूएल 2:12–13

सरूयाह का पुत्र योआब, और दाऊद के जन, नेर के पुत्र अब्नेर, और शाऊल के पुत्र ईशबोशेत के जन से कहाँ मिले?

सरूयाह का पुत्र योआब, और दाऊद के जन, नेर के पुत्र अब्नेर, और शाऊल के पुत्र ईशबोशेत के जन से गिबोन के जलकुण्ड के पास मिले।

2 शमूएल 2:15

योआब और अब्नेर के सामने खेलने के लिये कितने जवान उठे?

बिन्यामीन, अर्थात् शाऊल के पुत्र ईशबोशेत के पक्ष के लिये बारह जन गिनकर निकले, और दाऊद के जनों में से भी बारह निकले।

2 शमूएल 2:17

उस दिन युद्ध किसने जीता था?

अब्नेर और इस्राएल के पुरुष दाऊद के जनों से हार गए।

2 शमूएल 2:19

सरूयाह का कौनसा पुत्र अब्नेर का पीछा करने लगा?

असाहेल अब्नेर का पीछा करने लगा।

2 शमूएल 2:22

अब्नेर ने असाहेल से उसका पीछा करना छोड़ने के लिये क्या कहा?

अब्नेर ने असाहेल से कहा, "मुझ को क्यों तुझे मारकर मिट्टी में मिला देना पड़े? ऐसा करके मैं तेरे भाई योआब को अपना मुख कैसे दिखाऊँगा?"

2 शमूएल 2:23

जब असाहेल ने अब्नेर से हट जाने को मना किया, तब उसके साथ क्या हुआ?

जब असाहेल ने अब्नेर से हट जाने को मना किया, तब अब्नेर ने अपने भाले की पिछाड़ी उसके पेट में ऐसे मारी, कि भाला आर-पार होकर पीछे निकला; और वह वहीं गिरकर मर गया।

2 शमूएल 2:24

योआब और अबीशै ने अब्नेर का पीछा किस स्थान तक किया?

योआब और अबीशै अब्नेर का पीछा करते रहे, और अम्माह नामक उस पहाड़ी तक पहुँचे, जो गिबोन के जंगल के मार्ग में गीह के सामने है।

2 शमूएल 2:26–27

अब्नेर ने क्या कहा जिससे योआब और अबीशै ने उनका पीछा करना छोड़ दिया?

अब्नेर योआब को पुकारके कहने लगा, "क्या तलवार सदा मारती रहे? क्या तू नहीं जानता कि इसका फल दुःखदाई होगा? तू कब तक अपने लोगों को आज्ञा न देगा, कि अपने भाइयों का पीछा छोड़कर लौटो?"

2 शमूएल 2:29

अब्नेर और उनके जन कहाँ को गए?

अब्नेर और उनके जन महनैम में पहुँचे।

2 शमूएल 2:32

योआब और उनके जन कहाँ गए?

योआब और उनके जन हेब्रोन में पहुँचे।

2 शमूएल 3:1

शाऊल के घराने और दाऊद के घराने के मध्य बहुत दिन तक लड़ाई में, किसका घराना प्रबल होता गया और किस का घराना निर्बल पड़ता गया?

इन दोनों घराने के मध्य बहुत दिन तक लड़ाई में, दाऊद का घराना प्रबल होता गया और शाऊल का घराना निर्बल पड़ता गया।

2 शमूएल 3:2–3

हेब्रोन में दाऊद के उत्पन्न हुए पहले तीन पुत्र कौन थे?

हेब्रोन में दाऊद के उत्पन्न हुए पहले तीन पुत्र अम्नोन, किलाब और अबशालोम थे।

2 शमूएल 3:7

ईशबोशेत ने अब्नेर पर क्या करने का दोष लगाया?

ईशबोशेत ने अब्नेर पर अपने पिता (शाऊल) की रखैल के साथ सोने का दोष लगाया।

2 शमूएल 3:10

ईशबोशेत ने अब्नेर पर अपने पिता की रखैल के साथ सोने का दोष लगाने के बाद, अब्नेर ने शपथ ली कि वह क्या करने वाले है?

अब्नेर ने शपथ ली कि राज्य को शाऊल के घराने से छीनेंगे और दाऊद की राजगद्दी दान से लेकर बेर्शेबा तक इस्राएल और यहूदा के ऊपर स्थिर करेंगे।

2 शमूएल 3:13

अब्नेर दाऊद से भेंट करने और उनसे वाचा बाँधने से पहले, दाऊद ने कहा कि अब्नेर को क्या करना होगा?

दाऊद ने अब्नेर के दूतों से कहा कि जब अब्नेर दाऊद से भेंट करने आए, तब यदि अब्नेर पहले शाऊल की बेटी मीकल को न ले आए, तो दाऊद से भेंट न होगी।

2 शमूएल 3:14

दाऊद ने मीकल को अपनी पत्नी करने के लिये क्या दाम चुकाया था?

दाऊद ने मीकल के लिये एक सौ पलिश्तियों की खलड़ियाँ देकर अपना कर लिया था।

2 शमूएल 3:17–18

संक्षेप में, अब्नेर ने इस्राएल के पुरनियों से क्या कहा?

अब्नेर ने इस्राएल के पुरनियों से कहा कि जैसे पहले वे लोग चाहते थे कि दाऊद उनके ऊपर राजा हो, अब वैसा ही करें।

2 शमूएल 3:20

जब अब्नेर बीस पुरुष संग लेकर हेब्रोन में आए, तब दाऊद ने अब्नेर के लिये क्या किया?

दाऊद ने अब्नेर और उनके संगी पुरुषों के लिये भोज किया।

2 शमूएल 3:21

संक्षेप में, अब्नेर ने दाऊद को बताया कि वह क्या करने की योजना बना रहे हैं?

अब्नेर ने दाऊद से कहा कि वह सब इस्राएल को दाऊद के पास इकट्ठा करेंगे ताकि वे उनके साथ वाचा बाँधें, जिससे वे अपनी इच्छा के अनुसार राज्य कर सके।

2 शमूएल 3:23

दाऊद और अब्नेर सेना के साथ किस प्रकार विदा हुए?

दाऊद ने अब्नेर को विदा किया, और अब्नेर कुशल से चले गए।

2 शमूएल 3:25

जब योआब दाऊद के पास गए, तो उन्होंने अब्नेर पर क्या दोष लगाया?

योआब ने अब्नेर पर दाऊद को धोखा देने, दाऊद के आने-जाने, और सारे काम का भेद लेने का दोष लगाया।

2 शमूएल 3:27

योआब ने अब्नेर को हब्रोन में लौटा ले आने के बाद क्या किया?

योआब ने अब्नेर के पेट में ऐसा मारा कि वह मर गया।

2 शमूएल 3:27 (#2)

योआब ने अब्नेर को क्यों मार डाला?

योआब ने अपने भाई असाहेल के खून के बदले में अब्नेर को मार डाला।

2 शमूएल 3:29

बाद में जब दाऊद ने यह सुना कि योआब ने अब्नेर को मार डाला, तब उन्होंने योआब और उसके परिवार के विषय में क्या कहा?

दाऊद ने कहा कि अब्नेर के खून का दोष योआब और उसके पिता के समस्त घराने को लगे।

2 शमूएल 3:31

दाऊद ने योआब और अपने सब संगी लोगों से क्या करने को कहा?

दाऊद ने योआब और अपने सब संगी लोगों से कहा कि अपने वस्त्र फाड़कर, और कमर में टाट बाँधकर अब्नेर के आगे-आगे चले।

2 शमूएल 3:35

तब सब लोग कुछ दिन रहते दाऊद को रोटी खिलाने आए, तो दाऊद ने क्या शपथ खाई?

दाऊद ने शपथ खाकर कहा, "यदि मैं सूर्य के अस्त होने से पहले रोटी या और कोई वस्तु खाऊँ, तो परमेश्वर मुझसे ऐसा ही, वरन् इससे भी अधिक करे।"

2 शमूएल 3:37

दाऊद के अब्नेर के विषय दुःख पर विचार करने के बाद सब लोगों ने, वरन् समस्त इस्राएल ने क्या जान लिया?

सब लोगों ने, वरन् समस्त इस्राएल ने जान लिया कि अब्नेर का घात किया जाना राजा की ओर से नहीं था।

2 शमूएल 3:38

राजा ने अपने कर्मचारियों से अब्नेर के विषय में क्या कहा?

राजा ने अपने कर्मचारियों से कहा, "क्या तुम लोग नहीं जानते कि इस्राएल में आज के दिन एक प्रधान और प्रतापी मनुष्य मरा है?"

2 शमूएल 3:39

दाऊद ने सरूयाह के पुत्रों के विषय में क्या चाहा?

दाऊद ने चाहा कि यहोवा बुराई करनेवाले को उसकी बुराई के अनुसार ही बदला दे।

2 शमूएल 4:1

ईशबोशेत के हाथ किस कारण ढीले पड़ गए?

जब ईशबोशेत ने सुना कि अब्नेर हेब्रोन में मारा गया, तो उनके हाथ ढीले पड़ गए।

2 शमूएल 4:2

शाऊल के दो जन, जो दलों के प्रधान थे, उनके नाम क्या थे?

शाऊल के दो जन, जो दलों के प्रधान थे, उनके नाम बानाह और रेकाब था।

2 शमूएल 4:4

शाऊल के पुत्र योनातान के बेटे का नाम क्या था जो लँगड़ा था?

शाऊल के पुत्र योनातान के बेटे का नाम मपीबोशेत था, जो लँगड़ा था।

2 शमूएल 4:6

रेकाब और बानाह ईशबोशेत के घर में कैसे घुसे?

गेहूँ ले जाने के बहाने घर में घुस गए; और उसके पेट में मारा; तब रेकाब और उसका भाई बानाह भाग निकले।

2 शमूएल 4:7

रेकाब और बानाह ने ईशबोशेत के घर में घुसने के बाद क्या किया?

रेकाब और बानाह ईशबोशेत के घर में घुसे और वह सोने की कोठरी में चारपाई पर सो रहा था, तब उन्होंने उसे मार डाला।

2 शमूएल 4:8

रेकाब और बानाह ईशबोशेत को मार डालने और उसका सिर काट लेने के बाद कहाँ गए?

रेकाब और बानाह ने ईशबोशेत का सिर हेब्रोन में दाऊद के पास ले आए।

2 शमूएल 4:11

दाऊद ने रेकाब और बानाह के विषय में क्या कहा?

दाऊद ने कहा कि रेकाब और बानाह दुष्ट मनुष्य थे जिन्होंने एक निर्दोष मनुष्य को उसी के घर में, वरन् उसकी चारपाई ही पर घात किया।

2 शमूएल 4:12

दाऊद की आज्ञा पर, जवानों ने रेकाब और बानाह के साथ क्या किया?

जवानों ने रेकाब और बानाह का घात करके उनके हाथ पाँव काट दिए, और उनके शव को हेब्रोन के जलकुण्ड के पास टाँग दिया।

2 शमूएल 4:12 (#2)

दाऊद ने ईशबोशेत के सिर का क्या किया?

दाऊद ने ईशबोशेत के सिर को उठाकर हेब्रोन में अब्नेर की कब्र में गाड़ दिया।

2 शमूएल 5:2

इस्राएल के सब गोत्र ने यह माना कि यहोवा ने दाऊद से क्या कहा था?

इस्राएल के सब गोत्र ने यह माना कि यहोवा ने दाऊद से कहा, "मेरी प्रजा इस्राएल का चरवाहा, और इस्राएल का प्रधान तू ही होगा।"

2 शमूएल 5:3

हेब्रोन में किसने आकर दाऊद के साथ वाचा बाँधी और उन्हें इस्राएल का राजा होने के लिये अभिषेक किया?

सब इस्राएली पुरनिये हेब्रोन में आए; और राजा दाऊद के साथ वाचा बाँधी, और उन्होंने इस्राएल का राजा होने के लिये दाऊद का अभिषेक किया।

2 शमूएल 5:5

दाऊद ने यरूशलेम में समस्त इस्राएल और यहूदा पर कितने वर्षों तक राज्य किया?

दाऊद ने यरूशलेम में समस्त इस्राएल और यहूदा पर तैंतीस वर्ष तक राज्य किया।

2 शमूएल 5:6–7

यरूशलेम और किन नामों से बुलाया जाता था?

यरूशलेम को सिय्योन नामक गढ़ और दाऊदपुर भी बुलाया जाता था।

2 शमूएल 5:7

दाऊद ने सिय्योन नामक गढ़ को किनसे ले लिया?

दाऊद ने सिय्योन नामक गढ़ को यबूसियों से ले लिया।

2 शमूएल 5:10

दाऊद की बड़ाई अधिक क्यों होती गई?

दाऊद की बड़ाई अधिक होती गई क्योंकि सेनाओं का परमेश्वर यहोवा उनके संग रहते थे।

2 शमूएल 5:11

सोर के राजा हीराम ने दाऊद के पास क्या भेजा?

सोर के राजा हीराम ने दाऊद के पास दूत, और देवदार की लकड़ी, और बढ़ई, और राजमिस्त्री भेजे।

2 शमूएल 5:14–16

यरूशलेम में दाऊद के कितने बेटे-बेटियाँ उत्पन्न हुईं?

यरूशलेम में दाऊद के ग्यारह बेटे-बेटियाँ उत्पन्न हुईं।

2 शमूएल 5:17

जब पलिश्तियों ने यह सुना कि इस्राएल का राजा होने के लिये दाऊद का अभिषेक हुआ, तब उन्होंने क्या किया?

जब पलिश्तियों ने यह सुना कि इस्राएल का राजा होने के लिये दाऊद का अभिषेक हुआ, तब सब पलिश्ती दाऊद की खोज में निकले।

2 शमूएल 5:19

यहोवा ने दाऊद से क्या कहा जब दाऊद ने यहोवा से पूछा, "क्या मैं पलिश्तियों पर चढ़ाई करूँ? क्या तू उन्हें मेरे हाथ कर देगा?"

यहोवा ने दाऊद से कहा, "चढ़ाई कर; क्योंकि मैं निश्चय पलिश्तियों को तेरे हाथ कर दूँगा।"

2 शमूएल 5:20

दाऊद ने पलिश्तियों पर कहाँ चढ़ाई की और उसका परिणाम क्या निकला?

दाऊद बालपरासीम को गए, और दाऊद ने उन्हें वहीं मारा।

2 शमूएल 5:23

जब दूसरी बार पलिश्ती चढ़ाई करने को आए, तब यहोवा ने दाऊद को कैसे चढ़ाई करने के लिये क्या कहा?

यहोवा ने दाऊद से कहा कि पलिश्तियों पर चढ़ाई न करें बल्कि उनके पीछे से घूमकर तूत वृक्षों के सामने से उन पर छापा मारे।

2 शमूएल 5:24

यहोवा ने दाऊद से पलिश्तियों पर चढ़ाई करने से पहले कौन सी आहट सुनने को कहा?

यहोवा ने दाऊद से कहा कि जब तूत वृक्षों की फुनगियों में से सेना के चलने की सी आहट सुनाई दे, तब पलिश्तियों की सेना पर चढ़ाई करें।

2 शमूएल 5:25

यहोवा की आज्ञा पर दाऊद की प्रतिक्रिया क्या थी?

यहोवा की आज्ञा के अनुसार दाऊद ने किया।

2 शमूएल 5:25 (#2)

पलिश्तियों के विरुद्ध इस युद्ध का परिणाम क्या निकला?

इस युद्ध का परिणाम यह निकला कि दाऊद ने गेबा से लेकर गेजेर तक पलिश्तियों को मारते गए।

2 शमूएल 6:1–2

दाऊद ने एक और बार इस्राएल के सब बड़े वीरों को क्यों इकट्ठा किया?

दाऊद ने परमेश्वर के सन्दूक को लाने के लिये इस्राएल के सब बड़े वीरों को इकट्ठा किया।

2 शमूएल 6:3

उन्होंने परमेश्वर के सन्दूक को किस पर चढ़ाया?

उन्होंने परमेश्वर के सन्दूक को एक नई गाड़ी पर चढ़ाया।

2 शमूएल 6:3 (#2)

नई गाड़ी को कौन हाँक रहा था?

अबीनादाब के उज्जा और अह्यो नामक दो पुत्र उस नई गाड़ी को हाँक रहे थे।

2 शमूएल 6:6

जब वे नाकोन के खलिहान तक आए, तब क्या हुआ?

जब वे नाकोन के खलिहान तक आए, तब उज्जा ने अपना हाथ परमेश्वर के सन्दूक की ओर बढ़ाकर उसे थाम लिया, क्योंकि बैलों ने ठोकर खाई थी।

2 शमूएल 6:7

उज्जा के कार्य के प्रत्युत्तर में यहोवा ने क्या किया?

यहोवा का कोप उज्जा पर भड़क उठा; और परमेश्वर ने उसके दोष के कारण उसको वहाँ ऐसा मारा, कि वह वहाँ परमेश्वर के सन्दूक के पास मर गया।

2 शमूएल 6:8–9

यहोवा ने उज्जा के साथ जो किया उसके विषय में दाऊद को कैसा लगा?

तब दाऊद अप्रसन्न हुए, इसलिए कि यहोवा उज्जा पर टूट पड़े थे, और उस दिन दाऊद यहोवा से डर रहे थे।

2 शमूएल 6:10

उज्जा के मारने के बाद दाऊद ने परमेश्वर के सन्दूक के साथ क्या किया?

दाऊद ने परमेश्वर के सन्दूक को गतवासी ओबेदेदोम के यहाँ पहुँचाया।

2 शमूएल 6:12

दाऊद ने जाकर परमेश्वर के सन्दूक को ओबेदेदोम के घर से दाऊदपुर में क्यों पहुँचाया?

दाऊद ने जाकर परमेश्वर के सन्दूक को ओबेदेदोम के घर से इसलिए लाया क्योंकि उन्हें बताया गया था कि यहोवा ने ओबेदेदोम के घराने पर, और जो कुछ उसका है, उस पर भी परमेश्वर के सन्दूक के कारण आशीष दी है।

2 शमूएल 6:14

जब परमेश्वर का सन्दूक पहुँचाया जा रहा था, तब दाऊद ने क्या किया?

जब परमेश्वर का सन्दूक पहुँचाया जा रहा था, दाऊद सनी का एपोद कमर में कसे हुए यहोवा के सम्मुख तन मन से नाचते रहे।

2 शमूएल 6:16

जब मीकल ने खिड़की में से झाँककर दाऊद राजा को यहोवा के सम्मुख नाचते कूदते देखा, तो उसकी प्रतिक्रिया क्या थी?

जब मीकल ने खिड़की में से झाँककर दाऊद राजा को यहोवा के सम्मुख नाचते कूदते देखा, तो वह दाऊद को मन ही मन तुच्छ जानने लगी।

2 शमूएल 6:17

जब यहोवा का सन्दूक उसके स्थान पर रखा गया, तब दाऊद ने यहोवा के सम्मुख कौन से बलिदान चढ़ाए?

दाऊद ने यहोवा के सम्मुख होमबलि और मेलबलि चढ़ाए।

2 शमूएल 6:19

दाऊद ने समस्त प्रजा को, अर्थात्, स्त्री और पुरुष के बीच क्या बँटवा दी?

दाऊद ने समस्त प्रजा को, अर्थात्, क्या स्त्री क्या पुरुष के बीच एक-एक रोटी, और एक-एक टुकड़ा माँस, और किशमिश की एक-एक टिकिया बँटवा दी।

2 शमूएल 6:20

शाऊल की बेटी मीकल ने दाऊद से क्या कहा?

मीकाल दाऊद से कहने लगी, "आज इस्राएल का राजा जब अपना शरीर अपने कर्मचारियों की दासियों के सामने ऐसा उघाड़े हुए था, जैसा कोई निकम्मा अपना तन उघाड़े रहता है, तब क्या ही प्रतापी देख पड़ता था!"

2 शमूएल 6:21–22

मीकाल के समझाने पर दाऊद ने क्या कहा?

दाऊद ने कहा कि उन्होंने यहोवा के सम्मुख नाचा और यहोवा के सम्मुख वह इसी प्रकार नाचा करेंगे, और वे अपनी दृष्टि में नीच ठहरेंगे, लेकिन वे दासियाँ उनका आदरमान करेंगी।

2 शमूएल 7:1

यहोवा ने दाऊद को क्या दिया?

यहोवा ने दाऊद को उनके चारों ओर के सब शत्रुओं से विश्राम दिया था।

2 शमूएल 7:2

राजा ने नातान नामक भविष्यद्वक्ता से क्या कहा?

राजा ने नातान नामक भविष्यद्वक्ता से कहा, "देख, मैं तो देवदार के बने हुए घर में रहता हूँ, परन्तु परमेश्वर का सन्दूक तम्बू में रहता है।"

2 शमूएल 7:3–4

यहोवा का यह वचन नातान के पास पहुँचने से पहले नातान ने दाऊद से क्या कहा?

नातान ने दाऊद से कहा, "जो कुछ तेरे मन में हो उसे कर; क्योंकि यहोवा तेरे संग है।"

2 शमूएल 7:7

यहोवा ने दाऊद से क्या पूछा कि उन्होंने उस समय तक इस्राएल के किसी भी चरवाहे से यह प्रश्न पूछा?

यहोवा ने दाऊद से पूछा कि क्या यहोवा ने कभी इस्राएल की चरवाही करने को ठहराए से ऐसी बात कभी कही कि तुम ने मेरे लिए देवदार का घर क्यों नहीं बनवाया?"

2 शमूएल 7:8–9

यहोवा ने कहा कि उन्होंने दाऊद के लिये क्या किया?

यहोवा ने कहा कि उन्होंने दाऊद को यहोवा की प्रजा इस्राएल का प्रधान बनाया, दाऊद के संग रहे, और दाऊद के समस्त शत्रुओं को उनके सामने से नाश किया।

2 शमूएल 7:10

यहोवा ने कहा कि वे इस्राएल के लिये क्या करनेवाले हैं?

यहोवा ने कहा कि वे अपनी प्रजा इस्राएल के लिये एक स्थान ठहराएँगे और स्थिर करेंगे, कि वह अपने ही स्थान में बसी रहे, और कभी चलायमान न होगी; और कुटिल लोग उन्हें फिर दुःख न देने पाएँगे, जैसे कि पहले करते थे।

2 शमूएल 7:12–13

यहोवा ने कहा कि उनके लिये घर कौन बनाएगा?

यहोवा ने कहा कि वे दाऊद के निज वंश को उनके पीछे खड़ा करेंगे, वही यहोवा के नाम का घर बनवाएँगे।

2 शमूएल 7:16

यहोवा ने दाऊद के घराना और राज्य के विषय में क्या कहा?

यहोवा ने कहा कि दाऊद का घराना और राज्य दाऊद के सामने सदा अटल बना रहेगा।

2 शमूएल 7:18–20

जब नातान ने दाऊद को यहोवा का वचन कहा और इस दर्शन के अनुसार समझा दिया, तब दाऊद ने क्या किया?

दाऊद भीतर जाकर यहोवा के सम्मुख बैठे और उनसे बात की।

2 शमूएल 7:20

दाऊद और उनके घराने के विषय में सभी भविष्यद्वाणियों को सुनने के बाद, दाऊद ने क्या कहा कि यहोवा ने उनके लिये किया?

दाऊद ने कहा कि प्रभु यहोवा अपने दास दाऊद को जानते हैं।

2 शमूएल 7:21

दाऊद ने कहा कि यहोवा ने यह सब बड़े काम क्यों किए और क्यों वह जान ले?

दाऊद ने कहा कि यहोवा ने यह अपने वचन के निमित्त और अपने ही मन के अनुसार किए हैं।

2 शमूएल 7:23

दाऊद ने कहा कि परमेश्वर ने जाकर इस्राएल को क्यों छुड़ाया?

दाऊद ने कहा कि यहोवा ने जाकर अपनी निज प्रजा करने को छुड़ाया, इसलिए कि वह अपना नाम करे, और अपने देश के लिये भयानक काम करे।

2 शमूएल 7:27

दाऊद ने कैसे कहा कि उन्हें सेनाओं के यहोवा से प्रार्थना करने का हियाव हुआ है?

दाऊद ने कहा कि उन्हें सेनाओं के यहोवा से प्रार्थना करने का हियाव हुआ क्योंकि सेनाओं के यहोवा ने दाऊद पर प्रगट किया था कि वे दाऊद का घर बनाए रखेंगे।

2 शमूएल 7:28

दाऊद यहोवा के वचन को क्या मानते थे?

दाऊद यहोवा के वचन को सत्य मानते थे।

2 शमूएल 7:29

दाऊद यहोवा से क्या चाहते थे?

दाऊद चाहते थे कि यहोवा ने जो कुछ दाऊद से कहा, वह पूरी हो और दाऊद के घराने को आशीष दें।

2 शमूएल 8:1

दाऊद को पलिश्तियों पर जीतने और उन्हें अधीन करने से क्या मिला?

दाऊद ने राजधानी की प्रभुता पलिश्तियों के हाथ से छीन ली

2 शमूएल 8:2

दाऊद मोआबियों से जीतने के बाद, उन्होंने कैसे निर्णय किया कि कौनसा मोआबी जीवित छोड़ दिया जाएगा और कौन घात किया जाएगा?

दाऊद ने यह निर्णय लिया कि भूमि पर लिटा कर डोरी से मापे; तब दो डोरी से लोगों को माप किया गया मोआबी घात किया जाएगा और डोरी भर के मोआबी को जीवित छोड़ दिया जाएगा।

2 शमूएल 8:2 (#2)

जो मोआबियों को जीवित छोड़ा गया था, उनके साथ क्या हुआ?

मोआबी दाऊद के अधीन होकर भेंट ले आने लगे।

2 शमूएल 8:4

दाऊद ने सोबा का राजा रहोब का पुत्र हदादेजेर से क्या छीन लिए?

दाऊद ने उससे एक हजार सात सौ सवार, और बीस हजार प्यादे छीन लिए।

2 शमूएल 8:5

जब दमिश्क के अरामी सोबा के राजा हदादेजेर की सहायता करने को आए, तब दाऊद ने उनके साथ क्या किया?

दाऊद ने अरामियों में से बाईस हजार पुरुष मारे।

2 शमूएल 8:6

दाऊद विजयी क्यों हुए?

जहाँ-जहाँ दाऊद जाते थे वहाँ-वहाँ यहोवा उनको जयवन्त करते थे।

2 शमूएल 8:10

जब हमात के राजा तोई ने सुना कि दाऊद ने हदादेजेर की समस्त सेना को जीत लिया है, तो उसने दाऊद के लिये क्या किया?

तोई ने योराम नामक अपने पुत्र को दाऊद के पास उनका कुशल क्षेम पूछने और बधाई देने को भेजा, और योराम चाँदी, सोने और पीतल के पात्र लिए हुए आया।

2 शमूएल 8:11

दाऊद ने जीती हुई सब जातियों के सोने चाँदी से क्या किया?

दाऊद ने जीती हुई सब जातियों के सोने चाँदी को यहोवा के लिये पवित्र करके रखा।

2 शमूएल 8:13

दाऊद ने अरामियों को कहाँ मारा?

दाऊद ने अरामियों को नमक की तराई में मारा।

2 शमूएल 8:15

दाऊद अपनी समस्त प्रजा के साथ कैसे काम करते थे?

दाऊद अपनी समस्त प्रजा के साथ न्याय और धार्मिकता के काम करते थे।

2 शमूएल 8:18

राजा दाऊद के मंत्री कौन थे?

राजा दाऊद के पुत्र राजा के मंत्री थे।

2 शमूएल 9:1

दाऊद क्यों शाऊल के घराने में बचे हुए को प्रीति दिखाना चाहते थे?

दाऊद शाऊल के घराने में बचे हुए को योनातान के कारण प्रीति दिखाना चाहते थे।

2 शमूएल 9:3

जब राजा ने सीबा से पूछा कि क्या शाऊल के घराने में से कोई अब तक बचा है, जिसको राजा परमेश्वर की सी प्रीति दिखाए , तो सीबा ने राजा से क्या कहा?

सीबा ने राजा से कहा, "हाँ, योनातान का एक बेटा तो है, जो लँगड़ा है।"

2 शमूएल 9:6

शाऊल के घराने में कौन बचा था?

मपीबोशेत, योनातान का पुत्र और शाऊल का पोता बचा था।

2 शमूएल 9:7

दाऊद ने योनातान के कारण मपीबोशेत पर कैसी प्रीति दिखाई?

दाऊद ने मपीबोशेत को उनके दादा शाऊल की सारी भूमि फेर दी, और दाऊद ने मपीबोशेत को अपनी मेज पर नित्य भोजन करने को कहा।

2 शमूएल 9:10

दाऊद ने सीबा को मपीबोशेत के लिये क्या करने को कहा?

दाऊद ने सीबा से कहा कि, वह अपने बेटों और सेवकों समेत मपीबोशेत की भूमि पर खेती करके उसकी उपज उनके लिये ले आए।

2 शमूएल 9:13

दाऊद द्वारा मपीबोशेत पर प्रीति दिखाने के बाद वह कहाँ रहते थे?

मपीबोशेत यरूशलेम में रहते थे।

2 शमूएल 9:13 (#2)

मपीबोशेत को कौन सी शारीरिक समस्या थी?

मपीबोशेत दोनों पाँवों के विकलांग थे।

2 शमूएल 10:1

अम्मोनियों के पहले राजा के मारने के बाद, उसके स्थान में कौन राजा हुआ?

हानून नामक पुत्र उसके स्थान पर अम्मोनियों के राजा हुए।

2 शमूएल 10:2

दाऊद ने हानून पर प्रीति दिखाने के लिये क्या किया?

दाऊद ने हानून पर प्रीति दिखाने के लिये अपने कई कर्मचारियों को हानून के पास उनके पिता की मृत्यु के विषय शान्ति देने के लिये भेज दिया।

2 शमूएल 10:3

संक्षेप में, अम्मोनियों के हाकिम अपने स्वामी हानून से दाऊद की हानून पर प्रीति दिखने के विषय में क्या कहा?

अम्मोनियों के हाकिम अपने स्वामी हानून से कहने लगे कि दाऊद ने अपने कर्मचारियों को इसी विचार से भेजा है कि इस नगर में ढूँढ़-ढाँढ़ करके और इसका भेद लेकर इसको उलट दे।

2 शमूएल 10:4

हानून ने दाऊद द्वारा भेजे गए कर्मचारियों के साथ क्या किया?

हानून ने दाऊद के कर्मचारियों को पकड़ा, और उनकी आधी-आधी दाढ़ी मुँण्डवाकर और आधे वस्त्र, अर्थात् नितम्ब तक कटवाकर, उनको जाने दिया।

2 शमूएल 10:6

अम्मोनियों ने बीस हजार अरामी प्यादों को, और एक हजार पुरुषों समेत माका के राजा को, और बारह हजार तोबी पुरुषों को, क्यों वेतन पर बुलवाया?

अम्मोनियों ने देखा कि उनसे दाऊद अप्रसन्न है, तो उन्होंने इन सभी सैनिकों को वेतन पर बुलवाया।

2 शमूएल 10:6–8

अम्मोनियों और वेतन पर बुलवाये सैनिकों ने अपने आप को कहाँ पाँति बाँधी?

अम्मोनियों ने अपने आप को फाटक ही के पास पाँति बाँधी, और सोबा और रहोब के अरामी और तोब और माका के पुरुष उनसे अलग मैदान में थे।

2 शमूएल 10:7

जब दाऊद ने सुना कि अम्मोनियों ने हजारों सैनिकों को वेतन पर बुलवाया है, तब उन्होंने क्या किया?

यह सुनकर दाऊद ने योआब और शूरवीरों की समस्त सेना को भेजा।

2 शमूएल 10:9–10

योआब ने युद्ध की तैयारी के लिये क्या किया?

योआब ने युद्ध की तैयारी सब बड़े-बड़े इस्राएली वीरों में से बहुतों को छाँटकर अरामियों के सामने उनकी पाँति बँधाई और अन्य लोगों को अपने भाई अबीशै के हाथ सौंप दिया, और उन्होंने अम्मोनियों के सामने उनकी पाँति बँधाई।

2 शमूएल 10:14

जब अम्मोनी ने देखा कि अरामी योआब और जो लोग उनके साथ थे, से भाग गए हैं, तो उन्होंने क्या किया?

जब अम्मोनी ने देखा कि अरामी भाग गए हैं, तो वे भी अबीशै के सामने से भागकर नगर के भीतर घुस गए।

2 शमूएल 10:15–16

जब अरामी यह देखकर कि वे इस्राएलियों से हार गए है, तब उन्होंने क्या किया?

सब अरामी इकट्ठे हुए और हदादेजेर ने दूत भेजकर फरात के पार के अरामियों को बुलवाया।

2 शमूएल 10:17

जब दाऊद ने सुना कि सब अरामी इकट्ठे हुए और दूत भेजकर फरात के पार के अरामियों को बुलवाया है, तो उन्होंने क्या किया?

जब दाऊद ने यह समाचार पाया, तब उन्होंने समस्त इस्राएलियों को इकट्ठा किया, और यरदन के पार होकर अरामियों से लड़ने हेलाम में पहुँचे।

2 शमूएल 10:19

यह देखकर कि जितने राजा हदादेजेर के अधीन थे, इस्राएल से हार गए हैं, तो उन्होंने क्या किया?

जो राजा हदादेजेर के अधीन थे, उन्होंने इस्राएल के साथ संधि की और उनके अधीन हो गए।

2 शमूएल 11:1

किस समय राजा लोग युद्ध करने को निकला करते थे?

वर्ष के आरम्भ में राजा लोग युद्ध करने को निकला करते थे।

2 शमूएल 11:1 (#2)

वर्ष के आरम्भ में राजा दाऊद कहाँ थे?

राजा दाऊद यरूशलेम में रह गए थे।

2 शमूएल 11:2–3

साँझ के समय दाऊद पलंग पर से उठकर राजभवन की छत पर टहलते समय किसे देखा?

दाऊद ने एक स्त्री को नहाते हुए देखा, जिसका नाम बतशेबा था।

2 शमूएल 11:3

बतशेबा के पति कौन थे?

बतशेबा के पति हित्ती ऊरिय्याह थे।

2 शमूएल 11:4–5

दाऊद ने बतशेबा के साथ क्या किया?

दाऊद बतशेबा के साथ सोए और वह गर्भवती हो गईं।

2 शमूएल 11:6

जब दाऊद ने जाना कि बतशेबा गर्भवती हैं, तो उन्होंने क्या किया?

जब दाऊद ने जाना कि बतशेबा गर्भवती हैं, तो उन्होंने योआब के पास कहला भेजा कि हित्ती ऊरिय्याह को उनके पास भेजे।

2 शमूएल 11:8

जब ऊरिय्याह दाऊद के पास आए, तो दाऊद ने ऊरिय्याह से क्या करवाने का प्रयास किया?

दाऊद ने ऊरिय्याह से अपने घर जाकर अपने पाँव धोने के लिये मनाने का प्रयास किया।

2 शमूएल 11:9

जब दाऊद ने ऊरिय्याह से उनके घर जाने को कहा, तो ऊरिय्याह ने क्या किया?

ऊरिय्याह अपने घर नहीं गए, परन्तु अपने स्वामी के सब सेवकों के संग राजभवन के द्वार में लेट गए।

2 शमूएल 11:11

जब दाऊद ने ऊरिय्याह से पूछा, "तू अपने घर क्यों नहीं गया?" तब ऊरिय्याह ने दाऊद से क्या कहा?

ऊरिय्याह ने कहा कि जब तक सन्दूक, इस्राएल और यहूदा झोपड़ियों में रहेंगे, और योआब और योआब के सेवक खुले मैदान पर डेरे डाले रहेंगे, तब तक वह अपने घर में खाने-पीने और अपनी पत्नी के साथ सोने नहीं जाएँगे।

2 शमूएल 11:15

दाऊद ने योआब के नाम पर एक चिट्ठी लिखकर ऊरिय्याह के हाथ से भिजवाई। चिट्ठी में क्या लिखा था?

चिट्ठी में यह लिखा था, "सबसे घोर युद्ध के सामने ऊरिय्याह को रखना, तब उसे छोड़कर लौट आओ, कि वह घायल होकर मर जाए।"

2 शमूएल 11:19–20

योआब ने अपने दूत से क्या कहा कि जब दूत युद्ध का पूरा हाल दाऊद को बताएँगे, तो क्या हो सकता है?

योआब ने अपने दूत से कहा कि दाऊद युद्ध का पूरा हाल सुनने के बाद क्रोधित हो सकते हैं।

2 शमूएल 11:20

योआब ने सोचा कि दाऊद युद्ध का कौनसा हाल सुनकर क्रोधित हो सकते हैं?

योआब ने सोचा कि दाऊद इस बात पर क्रोधित हो सकते हैं कि सेना लड़ने को नगर के निकट गए।

2 शमूएल 11:21

यदि दाऊद युद्ध का हाल सुनकर क्रोधित हो, तो योआब ने दूत से दाऊद को क्या कहने को कहा?

योआब ने दूत से कहा कि यदि दाऊद क्रोधित हो, तो दाऊद से कहना, "तेरा दास ऊरिय्याह हित्ती भी मर गया।"

2 शमूएल 11:25

दाऊद ने दूत को योआब से क्या करने को कहा?

दाऊद ने दूत से कहा कि वह योआब से कहे कि वे नगर के विरुद्ध अधिक दृढ़ता से लड़कर उसे उलट दे।

2 शमूएल 11:26

जब ऊरिय्याह की स्त्री ने सुना कि उनका पति मर गया है, तब उन्होंने क्या किया?

जब उन्होंने सुना कि उनका पति मर गया है, तब वह अपने पति के लिये रोने पीटने लगी।

2 शमूएल 11:27

बतशेबा के साथ क्या हुआ?

जब उनके विलाप के दिन बीत चुके, तब दाऊद ने उन्हें बुलवाकर अपने घर में रख लिया, और वह उनकी पत्नी हो गई, और उनके पुत्र उत्पन्न हुए।

2 शमूएल 11:27 (#2)

दाऊद के काम से कौन क्रोधित हुए?

यहोवा दाऊद के काम से क्रोधित हुए।

2 शमूएल 12:1

नातान दाऊद के पास क्यों गए?

नातान दाऊद के पास गए क्योंकि यहोवा ने नातान को उनके पास भेजा था।

2 शमूएल 12:2–3

नातान ने दाऊद को एक दृष्टान्त सुनाया। वह दृष्टान्त किस विषय में था?

नातान ने दाऊद को जो दृष्टान्त सुनाया, वह एक धनी के विषय में था जिसके पास तो बहुत सी भेड़-बकरियाँ और गाय बैल थे, और निर्धन के पास भेड़ की एक छोटी बच्ची को छोड़ और कुछ भी न था और वह उसकी बेटी के समान थी।

2 शमूएल 12:4

धनी ने निर्धन मनुष्य और उसकी भेड़ की बच्ची के साथ क्या किया?

जब धनी के पास एक यात्री आया, तो निर्धन मनुष्य की भेड़ की बच्ची लेकर उस यात्री के लिये, जो उसके पास आया था, भोजन बनवाया।

2 शमूएल 12:5

धनी और निर्धन मनुष्य के विषय में नातान का दृष्टान्त सुनकर दाऊद की क्या प्रतिक्रिया थी?

दाऊद का कोप उस धनी मनुष्य पर बहुत भड़का और उन्होंने कहा कि वह प्राणदण्ड के योग्य है।

2 शमूएल 12:7

नातान के दृष्टान्त में धनी मनुष्य पर दाऊद भड़क कर उत्तर देने के बाद नातान ने दाऊद से क्या कहा?

नातान ने दाऊद से कहा, "तू ही वह मनुष्य है!"

2 शमूएल 12:9

यहोवा ने कहा कि दाऊद ने क्या किया?

यहोवा ने कहा कि दाऊद ने हित्ती ऊरिय्याह को तलवार से घात किया, और उसकी पत्नी को अपनी कर लिया है।

2 शमूएल 12:10–11

यहोवा ने कहा क्योंकि दाऊद ने यहोवा को तुच्छ जानकर हित्ती ऊरिय्याह की पत्नी को अपनी पत्नी कर लिया, तो वे क्या करने वाले हैं?

यहोवा ने दाऊद से कहा कि तलवार उनके घर से कभी दूर न होगी, और यहोवा दाऊद के घर में से विपत्ति उठाकर दाऊद पर डालेंगे, और दूसरे लोग दिन दुपहरी में दाऊद की पत्नियों से कुकर्म करेंगे, और जो बेटा दाऊद से उत्पन्न होगा, वह अवश्य ही मरेगा।

2 शमूएल 12:13

जब दाऊद ने कहा, "मैंने यहोवा के विरुद्ध पाप किया है," तो नातान ने कहा कि दाऊद के साथ क्या नहीं होगा?

नातान ने दाऊद से कहा, "यहोवा ने तेरे पाप को दूर किया है; तू न मरेगा।"

2 शमूएल 12:14

यहोवा ने कहा क्योंकि दाऊद ने यहोवा को तुच्छ जानकर हित्ती ऊरिय्याह की पत्नी को अपनी पत्नी कर लिया, तो वे क्या करने वाले हैं?

यहोवा ने दाऊद से कहा कि तलवार उनके घर से कभी दूर न होगी, और यहोवा दाऊद के घर में से विपत्ति उठाकर दाऊद पर डालेंगे, और दूसरे लोग दिन दुपहरी में दाऊद की पत्नियों से कुकर्म करेंगे, और जो बेटा दाऊद से उत्पन्न होगा, वह अवश्य ही मरेगा।

2 शमूएल 12:16–17

जो बच्चा ऊरिय्याह की पत्नी से दाऊद के द्वारा उत्पन्न हुआ था, वह बहुत रोगी हो गया, तब दाऊद ने क्या किया?

दाऊद उस लड़के के लिये परमेश्वर से विनती करने लगा; और उपवास किया, और भीतर जाकर रात भर भूमि पर पड़े रहे।

2 शमूएल 12:18

कौनसे दिन ऊरिय्याह की पत्नी से दाऊद के द्वारा उत्पन्न हुआ बच्चा मरा?

सातवें दिन बच्चा मर गया।

2 शमूएल 12:20

जब दाऊद ने जान लिया कि बच्चा मर गया, तो उन्होंने क्या किया?

जब दाऊद ने जान लिया कि बच्चा मर गया, तब वे भूमि पर से उठे, और नहाकर तेल लगाया, और वस्त्र बदला।

2 शमूएल 12:23

बच्चे के मरने के बाद दाऊद के उपवास न करने का कारण क्या था?

दाऊद ने यह सोचकर कहा कि बच्चे के मर जाने के बाद उपवास करने का कोई कारण नहीं है, क्योंकि वह बच्चे को लौटा नहीं ला सकते।

2 शमूएल 12:25

यहोवा ने नातान भविष्यद्वक्ता के द्वारा बतशेबा और दाऊद के अगले पुत्र यदिद्याह का नाम रखने सन्देश क्यों भेजा?

यहोवा ने उसका नाम यदिद्याह रखा क्योंकि वह यहोवा का प्रिय हुआ।

2 शमूएल 12:26

इस बीच योआब किस से लड़ रहे थे?

योआब अम्मोनियों के राजनगर रब्बाह से लड़ रहे थे।

2 शमूएल 12:28

योआब ने दाऊद को अब रहे हुए लोगों को इकट्ठा करके नगर के विरुद्ध छावनी डालकर उसे भी ले लेने को क्यों कहा?

योआब ने दाऊद से कहा कि वे नगर के विरुद्ध छावनी डालकर उसे भी ले ले, क्योंकि योआब ने कहा कि यदि उन्होंने नगर को ले लिया तो वह उनके नाम पर कहलाएगा।

2 शमूएल 12:31

जब रब्बाह नगर को ले लिया, तब दाऊद ने उसके रहनेवालों से क्या करवाया?

दाऊद ने रब्बाह के रहनेवालों को निकालकर आरी से दो-दो टुकड़े कराया, और लोहे के हेंगे उन पर फिरवाए, और लोहे की कुल्हाड़ियों से उन्हें कटवाया, और ईंट के पजावे में से चलवाया।

2 शमूएल 13:1

दाऊद के पुत्र अम्नोन किस पर मोहित हुआ?

तामार नामक एक सुन्दरी जो दाऊद के पुत्र अबशालोम की बहन थी, उस पर दाऊद का पुत्र अम्नोन मोहित हुआ।

2 शमूएल 13:4

जब योनादाब ने अम्नोन से पूछा कि क्या कारण है कि वह प्रतिदिन ऐसा दुबला होता जाता है, तो अम्नोन ने क्या कहा?

अम्नोन ने योनादाब से कहा कि वह अपने भाई अबशालोम की बहन तामार पर मोहित है।

2 शमूएल 13:6

तामार को देखने के लिये अम्नोन ने क्या किया?

अम्नोन लेटकर बीमार बना और जब दाऊद अम्नोन को देखने आए, तब अम्नोन ने दाऊद से तामार को आकर उसके देख दो पूरियां बनाने को कहा ताकि वह उसके हाथ से खा सकें। दाऊद ने अम्नोन की बात मान ली।

2 शमूएल 13:11

जब तामार उनको उसके खाने के लिये निकट ले गई, तब अम्नोन ने क्या किया?

जब तामार उनको अम्नोन के खाने के लिये निकट ले गई, तब उसने उसे पकड़कर कहा, "हे मेरी बहन, आ, मुझसे मिल।"

2 शमूएल 13:14

जब तामार ने उससे कहा कि उसे भ्रष्ट न कर और ऐसी मूर्खता का काम न कर, तब अम्नोन ने क्या किया?

अम्नोन ने तामार की न सुनी, और उसके साथ कुकर्म करके उसे भ्रष्ट किया।

2 शमूएल 13:15

अम्नोन तामार के साथ कुकर्म करने के बाद कैसा महसूस किया?

तब अम्नोन उससे अत्यन्त बैर रखने लगा; यहाँ तक कि यह बैर उसके पहले मोह से बढ़कर हुआ।

2 शमूएल 13:15 (#2)

अम्नोन ने तामार को क्या आज्ञा दी और किस पर बाध्य किया?

अम्नोन ने तामार को आज्ञा दी, "उठकर चली जा।" फिर उसने अपने सेवक जवान को बुलाकर आज्ञा दी कि वे तामार को उसके पास से बाहर निकाल दे और उसके पीछे किवाड़ में चिटकनी लगा दे।

2 शमूएल 13:17

अम्नोन ने तामार को क्या आज्ञा दी और किस पर बाध्य किया?

अम्नोन ने तामार को आज्ञा दी, "उठकर चली जा।" फिर उसने अपने सेवक जवान को बुलाकर आज्ञा दी कि वे तामार को उसके पास से बाहर निकाल दे और उसके पीछे किवाड़ में चिटकनी लगा दे।

2 शमूएल 13:19

अम्नोन की कोठरी से बाहर निकाले जाने के बाद तामार ने क्या किया?

अम्नोन की कोठरी से बाहर निकाले जाने के बाद, उसने अपने सिर पर राख डाली, और अपनी रंगबिरंगी कुर्ती को फाड़ डाला; और सिर पर हाथ रखे चिल्लाती हुई चली गई।

2 शमूएल 13:21

जब ये सब बातें दाऊद राजा के कान में पड़ीं, तब उनकी प्रतिक्रिया क्या थी?

जब ये सब बातें दाऊद राजा के कान में पड़ीं, तब वे बहुत झुँझला उठे।

2 शमूएल 13:22

जब तामार के भाई अबशालोम को यह जान पड़ा कि अम्नोन ने उसकी बहन को भ्रष्ट किया है, तो उसने अम्नोन के प्रति कैसा महसूस किया?

अबशालोम अम्नोन से घृणा करते थे क्योंकि उसने उनकी बहन तामार को भ्रष्ट किया था।

2 शमूएल 13:23-24

अबशालोम ने बाल्हासोर में किसे नेवता दिया?

अबशालोम ने सब राजकुमारों, राजा और अपने कर्मचारियों समेत अपने दास को बाल्हासोर में नेवता दिया।

2 शमूएल 13:25

अबशालोम ने जब राजा को बाल्हासोर में नेवता दिया, तो राजा ने क्या कहा?

राजा ने कहा कि वे सब नहीं चलेंगे क्योंकि यह अबशालोम को अधिक कष्ट हो जाएगा।

2 शमूएल 13:26

जब अबशालोम ने दाऊद से अम्नोन को उनके संग जाने देने के लिये कहा तो दाऊद ने क्या कहा?

जब अबशालोम ने दाऊद से अम्नोन को उनके संग जाने देने के लिये कहा तो दाऊद ने कहा, "वह तेरे संग क्यों चले?"

2 शमूएल 13:27

अबशालोम के साथ कौन गए?

अम्नोन और सब राजकुमार अबशालोम के साथ गए।

2 शमूएल 13:28

अबशालोम ने अम्नोन के विषय में अपने सेवकों को क्या आज्ञा दी?

अबशालोम ने अपने सेवकों को आज्ञा दी कि जब अम्नोन दाखमधु पीकर नशे में आ जाए और अबशालोम उनसे कहें "अम्नोन को मार डालना," तब वे अम्नोन को मार डालें।

2 शमूएल 13:29

अबशालोम के सेवकों द्वारा अम्नोन को मार डालने के बाद राजकुमारों ने क्या किया?

जब अबशालोम के सेवकों ने अम्नोन को मार डाला, तब सब राजकुमार उठ खड़े हुए, और अपने-अपने खच्चर पर चढ़कर भाग गए।

2 शमूएल 13:30

इस घटना के विषय में दाऊद ने सबसे पहले क्या समाचार सुना?

जब राजकुमार मार्ग ही में थे, दाऊद को यह समाचार मिला कि अबशालोम ने सब राजकुमारों को मार डाला है।

2 शमूएल 13:32

योनादाब ने कहा कि क्या हुआ और क्यों?

योनादाब ने दाऊद से कहा कि केवल अम्नोन मारा गया है, क्योंकि जिस दिन उसने अबशालोम की बहन तामार को भ्रष्ट किया, उसी दिन से अबशालोम की आज्ञा से ऐसी ही बात निश्चित थी।

2 शमूएल 13:37

अम्नोन को मार डालने के बाद अबशालोम कहाँ भाग गया?

अबशालोम गशूर के राजा अम्मीहूद के पुत्र तल्मै के पास भागकर गए।

2 शमूएल 13:38

अबशालोम कितने समय तक गशूर में रहा?

अबशालोम गशूर में तीन वर्ष तक रहा।

2 शमूएल 13:39

दाऊद के मन में क्या करने की लालसा रही?

दाऊद के मन में अबशालोम के पास जाने की बड़ी लालसा रही।

2 शमूएल 14:1–2

जब योआब ताड़ गया कि राजा का मन अबशालोम की ओर लगा है, तब उसने क्या किया?

जब योआब ताड़ गया कि राजा का मन अबशालोम की ओर लगा है, तब योआब ने तकोआ नगर में दूत भेजकर वहाँ से एक बुद्धिमान स्त्री को बुलवाया।

2 शमूएल 14:2–3

संक्षेप में बताइए कि योआब उस बुद्धिमान स्त्री से क्या करवाना चाहता था?

योआब चाहता था कि बुद्धिमान स्त्री शोक करनेवाली बने और राजा के पास जाकर ऐसी-ऐसी बातें कहे जो योआब ने उन्हें सिखाये थे।

2 शमूएल 14:5

जब बुद्धिमान स्त्री राजा के पास गई, तो उसने राजा को क्या कहा कि वह कौन है?

बुद्धिमान स्त्री ने राजा से कहा कि वह एक विधवा है।

2 शमूएल 14:6

बुद्धिमान स्त्री ने राजा को क्या बताया कि उसके दोनों बेटों ने क्या किया?

बुद्धिमान स्त्री ने राजा से कहा कि उनके दो बेटे ने मैदान में मारपीट की और एक ने दूसरे को ऐसा मारा कि वह मर गया।

2 शमूएल 14:7

बुद्धिमान स्त्री ने राजा से कहा कि उसे डर है कि जो अंगारे बच गया है, उसके साथ क्या होगा?

बुद्धिमान स्त्री ने राजा से कहा कि उसे डर है कि सब कुल के लोग जो अंगारे बच गया है, उसे प्राणदण्ड देंगे, वारिस को नष्ट कर देंगे और उसके पति का नाम और सन्तान मिटा डालेंगे।

2 शमूएल 14:11

बुद्धिमान स्त्री ने राजा से अपने परमेश्वर यहोवा को स्मरण करने के लिये क्यों कहा?

बुद्धिमान स्त्री ने राजा से यह इसलिए कहा कि खून का पलटा लेनेवाला और नाश करने न पाए, और उसके बेटे का नाश न होने पाए।

2 शमूएल 14:11 (#2)

राजा ने किसकी शपथ खाकर उस स्त्री से कहा कि उसके बेटे का एक बाल भी भूमि पर गिरने न पाएगा?

राजा ने यहोवा की शपथ खाकर कहा, "यहोवा के जीवन की शपथ, तेरे बेटे का एक बाल भी भूमि पर गिरने न पाएगा।"

2 शमूएल 14:13

स्त्री ने क्यों कहा कि राजा दोषी सा ठहरता है?

स्त्री ने कहा कि राजा दोषी सा ठहरता है, क्योंकि उन्होंने अपने निकाले हुए (बेटे) को लौटा नहीं लाया था।

2 शमूएल 14:14

स्त्री ने क्या कहा कि परमेश्वर ने प्राण लेने के बदले क्या किया?

स्त्री ने कहा कि प्राण लेने के बदले, परमेश्वर ऐसी युक्ति करते हैं कि निकाला हुआ उनके पास से निकाला हुआ न रहे।

2 शमूएल 14:15–16

स्त्री ने क्यों कहा कि वह राजा से यह बात कहने को आई है?

स्त्री ने कहा कि वह राजा से यह बात इसलिए कहने को आई है क्योंकि लोगों ने उसे डरा दिया था, और क्योंकि उसे विश्वास था कि राजा अवश्य उसकी सुनेंगे।

2 शमूएल 14:17

स्त्री ने कहा कि उसने अपनी प्रार्थना में यहोवा से क्या माँगा?

स्त्री ने कहा कि उसने यहोवा से प्रार्थना की कि उसके प्रभु राजा के वचन से उसे शान्ति मिले।

2 शमूएल 14:19

राजा ने स्त्री से क्या पूछा, जब उन्होंने उससे कहा जो बात वह उससे से पूछे, तो उसे उनसे न छिपा?

राजा ने स्त्री से पूछा, "इस बात में क्या योआब तेरा संगी है?"

2 शमूएल 14:20

योआब ने उस स्त्री को राजा के पास जाकर जो बातें सिखाई गई थीं, वे सब कहने की आज्ञा क्यों दी?

योआब ने स्त्री को आज्ञा दी, और ये सब बातें उसी ने सिखाई ताकि बात का रंग बदले।

2 शमूएल 14:22

जब राजा ने योआब से अबशालोम को लौटा लाने को कहा, तब योआब ने क्या किया?

तब योआब ने भूमि पर मुँह के बल गिर दण्डवत् कर राजा को आशीर्वाद दिया।

2 शमूएल 14:24

राजा ने योआब को अबशालोम के विषय में क्या आज्ञा दी?

राजा ने कहा कि अबशालोम अपने घर जाकर रह सकता है, परन्तु वह राजा का दर्शन नहीं पा सकता।

2 शमूएल 14:25–26

अबशालोम के रूप के विषय में क्या विशेष था?

अबशालोम सुन्दर था, उसमें कोई दोष न था, और उसके बाल, जिन्हें वह वर्ष के अन्त में मुँण्डवाता था, जो तौल के अनुसार दो सौ शेकेल भर पाता था।

2 शमूएल 14:28

अबशालोम राजा का दर्शन बिना पाए यरूशलेम में कितने वर्ष तक रहा?

अबशालोम राजा का दर्शन बिना पाए यरूशलेम में दो वर्ष रहा।

2 शमूएल 14:30

जब अबशालोम ने योआब को दो बार बुलवा भेजा और योआब ने आने से इनकार किया, तब अबशालोम ने अपने सेवकों से क्या कहा?

अबशालोम ने अपने सेवकों से योआब के जौ के खेत में आग लगाने को कहा।

2 शमूएल 14:32

अबशालोम योआब से क्या करवाना चाहता था?

अबशालोम चाहता था कि योआब राजा के पास जाकर उनसे कहें कि अबशालोम राजा का दर्शन करना चाहता है।

2 शमूएल 14:33

जब अबशालोम ने राजा के सम्मुख भूमि पर मुँह के बल गिरकर दण्डवत् की, तब राजा ने क्या किया।

राजा ने अबशालोम को चूमा।

2 शमूएल 15:1

अबशालोम ने अपने लिये क्या रख लिए?

अबशालोम ने अपने लिये रथ और घोड़े रख लिए।

2 शमूएल 15:1 (#2)

अबशालोम के रथ के आगे कौन दौड़ रहे थे?

अबशालोम के रथ के आगे पचास अंगरक्षक दौड़ रहे थे।

2 शमूएल 15:2

अबशालोम फाटक के मार्ग के पास खड़ा होकर, किसे पुकारके पूछता था?

जब जब कोई मुद्दई राजा के पास न्याय के लिये आता, तब-तब अबशालोम उसको पुकारके पूछता था।

2 शमूएल 15:3

अबशालोम पक्ष के विषय में क्या कहता जब जब कोई मुद्दई राजा के पास न्याय के लिये आता था?

अबशालोम इनसे कहता कि उनका पक्ष तो ठीक और न्याय का है, परन्तु राजा की ओर से उनकी सुननेवाला कोई नहीं है।

2 शमूएल 15:4

अबशालोम ने क्या कारण दिया, जब उसने कहा कि भला होता कि वह इस देश में न्यायी ठहराया जाता?

अबशालोम ने कहा कि भला होता कि वह इस देश में न्यायी ठहराया जाता ताकि जितने मुकद्दमा वाले होते वे सब अबशालोम के ही पास आते, और वह उनका न्याय चुकाता।

2 शमूएल 15:5

जब कोई अबशालोम को दण्डवत् करने को निकट आता, तब उनके साथ क्या करता था?

जब कोई अबशालोम को दण्डवत् करने को निकट आता, तब वह हाथ बढ़ाकर उसको पकड़कर चूम लेता था।

2 शमूएल 15:6

अबशालोम ने इस्राएली मनुष्यों का क्या हर लिया?

अबशालोम ने इस्राएली मनुष्यों के मन को हर लिया।

2 शमूएल 15:7

अबशालोम ने राजा को हेब्रोन जाने का क्या कारण बताया?

अबशालोम ने कहा कि उसे यहोवा से मानी हुई मन्नत पूरी करने के लिये हेब्रोन जाना है।

2 शमूएल 15:10

अबशालोम ने इस्राएल के समस्त गोत्रों में जो भेदिए भेजे, उन्होंने क्या कहा?

भेदियों ने कहा, "जब नरसिंगे का शब्द तुम को सुनाई पड़े, तब कहना, 'अबशालोम हेब्रोन में राजा हुआ।'"

2 शमूएल 15:11

क्या अबशालोम के संग हेब्रोन को गए दो सौ निमंत्रित अबशालोम का भेद जानते थे?

नहीं, वे दो सौ निमंत्रित सीधे मन से अबशालोम का भेद बिना जाने गए।

2 शमूएल 15:14

संक्षेप में बताए, जब किसी ने दाऊद के पास जाकर यह समाचार दिया, "इस्राएली मनुष्यों के मन अबशालोम की ओर हो गए हैं," तब दाऊद ने अपने कर्मचारियों से क्या कहा?

दाऊद ने अपने सब कर्मचारियों से जो यरूशलेम में उसके संग थे कहा, "आओ, हम भाग चलें; नहीं तो हम में से कोई भी अबशालोम से न बचेगा।"

2 शमूएल 15:16

राजा भवन की चौकसी करने के लिये यरूशलेम में किसे छोड़ गए?

राजा दस रखैलियों को भवन की चौकसी करने के लिये छोड़ गए।

2 शमूएल 15:18

यरूशलेम छोड़ते समय राजा के पास से होकर कौन आगे गए ?

राजा के सब कर्मचारी उनके पास से होकर आगे गए; और सब करेती, और सब पलेती, और सब गती, अर्थात् जो छः सौ पुरुष गत से उनके पीछे हो लिए थे।

2 शमूएल 15:21

जब राजा ने इत्तै को राजा अबशालोम के पास लौटकर रहने को कहा, तो गती इत्तै ने राजा से क्या कहा?

इत्तै ने राजा से कहा कि जिस किसी स्थान में राजा रहेंगे, चाहे मरने के लिये हो चाहे जीवित रहने के लिये, उसी स्थान में वह भी रहेगा।

2 शमूएल 15:23

यरूशलेम को छोड़ते समय दाऊद और उनके संग सब लोग किस मार्ग से गए?

दाऊद और उनके संग सब लोग किद्रोन नामक घाटी के पार हुए और नाले के पार जंगल के मार्ग की ओर पार होकर चल पड़े।

2 शमूएल 15:25

राजा ने परमेश्वर की वाचा के सन्दूक के विषय में याजक सादोक से क्या कहा?

राजा ने याजक सादोक से कहा कि परमेश्वर के सन्दूक को नगर में लौटा ले जाएँ।

2 शमूएल 15:28

दाऊद जंगल के घाट के पास क्यों ठहरने जा रहे थे?

दाऊद सादोक याजक से हाल का समाचार पाने के लिये जंगल के घाट के पास ठहरने जा रहे थे।

2 शमूएल 15:31

जब दाऊद को यह समाचार मिला कि अबशालोम के संगी राजद्रोहियों के साथ अहीतोपेल है, तब दाऊद ने क्या प्रार्थना की?

दाऊद ने प्रार्थना की, "हे यहोवा, अहीतोपेल की सम्मति को मूर्खता बना दे।"

2 शमूएल 15:32

जब दाऊद चोटी तक पहुँचे, जहाँ परमेश्वर की आराधना की जाती थी, तो उनसे मिलने कौन आया?

एरेकी हूशै दाऊद से मिलने को आया।

2 शमूएल 15:34

दाऊद चाहता थे कि एरेकी हूशै उनके लिये क्या करे?

दाऊद चाहते थे कि एरेकी हूशै नगर को लौटकर अबशालोम से कहें कि वह अबशालोम का कर्मचारी होगा ताकि हूशै दाऊद के हित के लिये अहीतोपेल की सम्मति को निष्फल कर सके।

2 शमूएल 15:35

दाऊद चाहते थे कि हूशै को राजभवन में से जो हाल सुनाई पड़ता था, उसे किन्हें बताए?

दाऊद चाहते थे कि हूशै, सादोक और एब्यातार याजक को राजभवन में से जो हाल सुनाई पड़ता था, वह सब बताए।

2 शमूएल 16:1

मपीबोशेत का कर्मचारी सीबा दाऊद के पास क्या लाया?

सीबा एक जोड़ी, जीन बाँधे हुए गदहों पर दो सौ रोटी, किशमिश की एक सौ टिकियाँ, धूपकाल के फल की एक सौ टिकियाँ, और कुप्पी भर दाखमधु, लादे हुए ले आया।

2 शमूएल 16:3

सीबा के अनुसार, मपीबोशेत के यरूशलेम में रह जाने का क्या कारण था?

सीबा ने कहा कि मपीबोशेत के यरूशलेम में रह जाने का कारण यह था कि मपीबोशेत को विश्वास था कि उस दिन इस्राएल का घराना उन्हें उनका पिता का राज्य फेर देंगे।

2 शमूएल 16:4

राजा ने कहा कि अब सीबा को क्या मिल गया?

राजा ने सीबा से कहा कि जो कुछ मपीबोशेत का था वह सब सीबा को मिल गया।

2 शमूएल 16:5–6

शिमी ने दाऊद और राजा के सब कर्मचारियों के साथ क्या किया?

शिमी ने दाऊद और सभी राजा के सब कर्मचारियों को कोसने लगा और उन पर पत्थर फेंकने लगा।

2 शमूएल 16:7–8

शिमी ने दाऊद को क्या कहा?

शिमी ने दाऊद को खूनी और ओछा कहा।

2 शमूएल 16:12

उस दिन दाऊद को मिले श्राप के कारण जो उपद्रव उन पर हो रहा है, उसके कारण दाऊद ने यहोवा से क्या आशा की थी?

दाऊद को आशा थी कि यहोवा दृष्टि करके उस दिन के श्राप के बदले उन्हें भला बदला देंगे।

2 शमूएल 16:16

जब अबशालोम, अहीतोपेल, और सब इस्राएली लोग यरूशलेम को आए, तब हूशै ने अबशालोम से क्या कहा?

हूशै ने अबशालोम से कहा, "राजा चिरंजीव रहे! राजा चिरंजीव रहे!"

2 शमूएल 16:18

हूशै ने अबशालोम से कहा कि वह, हूशै, किसके होंगे?

हूशै ने अबशालोम से कहा कि जिसको यहोवा और वे लोग, क्या वरन् सब इस्राएली लोग चाहें, उसी के वह होंगे।

2 शमूएल 16:21

अहीतोपेल ने अबशालोम को क्या सम्मति दी कि उन्हें क्या करना चाहिए?

अहीतोपेल ने अबशालोम को सम्मति दी कि वह रखैलियों को उसके पिता ने भवन की चौकसी करने को छोड़ गए, उनके पास वह जाए।

2 शमूएल 16:23

अहीतोपेल की सम्मति जो वह देता था, वह दाऊद और अबशालोम को कैसी होती थी?

अहीतोपेल की सम्मति जो वह देता था, वह ऐसी होती थी कि मानो कोई परमेश्वर का वचन पूछ लेता हो।

2 शमूएल 17:1–4

अहीतोपेल ने अबशालोम और इस्राएली पुरनियों को दाऊद को मारने के लिये क्या सम्मति दी?

अहीतोपेल ने सम्मति दी कि एक बड़ी सेना से रात को दाऊद जब थके-माँदे और निर्बल होंगे, तब मारेंगे और सब लोगों को उनके पास लौटा ले आयेंगे और समस्त प्रजा कुशल क्षेम से रहेगी।

2 शमूएल 17:5–7

अबशालोम ने अहीतोपेल की सम्मति के विषय में हूशै से सलाह माँगी। तब हूशै ने क्या सलाह दी?

हूशै ने कहा कि सम्मति अच्छी नहीं है।

2 शमूएल 17:9–10

हूशै ने क्या कारण बताया कि सम्मति अच्छी नहीं है?

क्योंकि अबशालोम के पुरुष में से पहले ही आक्रमण में कोई-कोई मारे जाएँ, तब वीर का भी साहस टूट जाएगा, क्योंकि यह कहा जाएगा कि अबशालोम के पक्षवाले हार गए।

2 शमूएल 17:11–12

हूशै ने अबशालोम को क्या करने की सम्मति दी?

हूशै ने अबशालोम को सम्मति दी कि वह समस्त इस्राएली को इकट्ठा करें और वह आप युद्ध को जाएं ताकि वे दाऊद और उनके संगियों को ढूँढ़कर मार सकें।

2 शमूएल 17:14

अबशालोम और सब इस्राएली पुरुषों ने हूशै की सम्मति पर क्या कहा?

उन्होंने कहा कि यह सम्मति अहीतोपेल की सम्मति से उत्तम है।

2 शमूएल 17:16

हूशै चाहते थे कि याजक दाऊद के पास क्या कहला भेजें?

कहला यह भेजा कि उस रात जंगली घाट के पास न ठहरे, और अवश्य पार हो जाए; ताकि राजा और उनके लोग नष्ट हो जाएँ।

2 शमूएल 17:17

राजा दाऊद को अबशालोम की उनको मारने की योजना के विषय में कैसे सन्देशा दिया गया?

एक दासी जाकर दो पुरुषों को सन्देशा देगी, जो फिर वे जाकर राजा दाऊद को अबशालोम की योजनाओं के विषय में सन्देशा देंगे।

2 शमूएल 17:18

जब इन तीनों को देखा गया और अबशालोम को बताया गया तो उन दो पुरुषों ने क्या किया?

दोनों पुरुष चले गए और एक मनुष्य के आँगन में एक कुएँ में उतर गए।

2 शमूएल 17:19–20

दोनों पुरुषों की सहायता कैसे की गई?

उसकी स्त्री ने कपड़ा लेकर कुएँ के मुँह पर बिछाया ताकि दो पुरुषों को छुपा सकें और तब अबशालोम के सेवक उन्हें खोजने आए, तो उन्होंने सेवकों से कहा कि वे तो उस छोटी नदी के पार गए।

2 शमूएल 17:21–22

अबशालोम के सेवक के चले जाने के बाद, उन दोनों पुरुषों ने क्या किया?

पुरुष कुएँ में से निकले और जाकर दाऊद राजा को समाचार दिया कि वे यरदन नदी के पार हो जाए ताकि वे और उनके लोग सुरक्षित रह सकें।

2 शमूएल 17:23

जब अहीतोपेल ने देखा कि उसकी सम्मति के अनुसार दाऊद को नहीं मारा, तब उसने क्या किया ?

अहीतोपेल अपने नगर में जाकर अपने घर में गया, और अपने घराने के विषय जो-जो आज्ञा देनी थी वह देकर अपने को फांसी लगा ली।

2 शमूएल 17:27–29

जंगल में दाऊद और उनके संगियों की देखभाल कैसे की गई?

तीन मनुष्य दाऊद और उनके संगियों के लिये सोने, पकाने और खाने के लिये वस्तुएँ और भोजन लेकर आए।

2 शमूएल 18:2

राजा दाऊद ने लोगों (सेना) को क्या सन्देश दिया?

राजा दाऊद ने लोगों से कहा कि वे भी अवश्य उनके साथ युद्ध में चलेंगे।

2 शमूएल 18:3–4

राजा दाऊद के सन्देश पर लोगों ने क्या कहा?

लोगों ने राजा दाऊद से कहा कि वे उनके जैसे दस हजार पुरुषों के बराबर हैं, इसलिए युद्ध में जाने से अच्छा यह है कि वे नगर में रहे।

2 शमूएल 18:5

अबशालोम के विषय में राजा ने अपने प्रधानों को क्या आज्ञा दी?

राजा ने प्रधानों से कहा, "मेरे निमित्त उस जवान, अर्थात् अबशालोम से कोमलता करना।"

2 शमूएल 18:6–8

एप्रैम नामक वन में युद्ध का परिणाम क्या हुआ?

इस्राएली लोग दाऊद के जनों से हार गए।

2 शमूएल 18:9

जब अबशालोम एक खच्चर पर चढ़ा हुआ जा रहा था, और खच्चर एक बड़े बांज वृक्ष की घनी डालियों के नीचे से गया, तब क्या हुआ?

अबशालोम का सिर उस बांज वृक्ष में अटक गया, और वह अधर में लटका रह गया।

2 शमूएल 18:10–11

जब योआब को अबशालोम के विषय में बताया गया, तब वह व्याकुल क्यों हो गया?

योआब व्याकुल था क्योंकि उस बतानेवाले ने अबशालोम के विषय में बात की थी, उसे मारकर भूमि पर नहीं गिराया।

2 शमूएल 18:12–13

मनुष्य ने अबशालोम को क्यों नहीं मारा?

उन्होंने अबशालोम को धन के लिये भी नहीं मारा, क्योंकि उन्होंने राजा को यह कहते सुना था कि कोई भी उस जवान अर्थात् अबशालोम को न छूए।

2 शमूएल 18:14

योआब ने अबशालोम के साथ क्या किया?

योआब ने तीन लकड़ी अबशालोम के हृदय में, जो बांज वृक्ष में जीवित ही लटका था, छेद डाला।

2 शमूएल 18:17

अबशालोम के शरीर का क्या किया गया?

अबशालोम के शरीर को वन के एक बड़े गड्ढे में डाल दिया, और उस पर पत्थरों का एक बहुत बड़ा ढेर लगा दिया।

2 शमूएल 18:18

अपने जीते जी अबशालोम ने अपने लिये स्तम्भ क्यों खड़ा कराया ?

अबशालोम ने एक स्तम्भ खड़ा कराया, जो अबशालोम का स्तम्भ कहलाता है, ताकि उनके नाम का स्मरण करानेवाला कोई पुत्र नहीं था।

2 शमूएल 18:19–20

अहीमास को यह चेतावनी क्यों दी गई कि वह दौड़कर राजा को यह समाचार न दे, कि यहोवा ने न्याय करके उन्हें उनके शत्रुओं के हाथ से बचाया है?

अहीमास को चेतावनी दी गई कि वह उस दिन राजा को समाचार न दे क्योंकि राजकुमार मर गया था।

2 शमूएल 18:21–23

अहीमास फिर भी दौड़कर दाऊद को समाचार क्यों देना चाहता था?

अहीमास जानता था कि योआब ने समाचार एक कूशी को दिया, परन्तु अहीमास सबसे पहले दाऊद को समाचार देना चाहता था।

2 शमूएल 18:24–25

राजा ने क्या सोचा जब उन्होंने सुना कि एक मनुष्य अकेला नगर को दौड़ा आता है?

राजा ने सोचा कि यदि अकेला आता हो, तो सन्देशा लाता होगा।

2 शमूएल 18:26

राजा ने क्या सोचा जब उन्होंने सुना कि एक और मनुष्य अकेला दौड़ा आता है?

राजा ने सोचा कि वह भी सन्देशा लाता होगा।

2 शमूएल 18:27

राजा ने क्या सोचा जब उन्होंने सुना कि पहले दौड़ने वाला अहीमास है?

राजा ने कहा कि अहीमास भला सन्देशा लेकर आ रहा है क्योंकि वह भला मनुष्य है।

2 शमूएल 18:28

अहीमास राजा के पास क्या सन्देशा लाया?

अहीमास ने राजा से कहा कि यहोवा ने राजा के विरुद्ध हाथ उठानेवाले मनुष्यों को उनके वश में कर दिया है।

2 शमूएल 18:29

जब राजा ने अबशालोम के कुशल के विषय में पूछा, तब अहीमास ने राजा को क्या उत्तर दिया?

अहीमास ने कहा कि उसे बड़ी भीड़ देख पड़ी परन्तु मालूम न हुआ कि क्या हुआ था।

2 शमूएल 18:32

जब राजा ने कूशी से अबशालोम के कुशल के विषय में पूछा तो उसका उत्तर क्या था?

कूशी ने राजा से कहा कि राजा के शत्रु की दशा उस जवान की सी हो।

2 शमूएल 18:33

जब राजा ने अपने बेटे के मरने का समाचार सुना, तो उन्होंने क्या कहा?

जब राजा ने यह समाचार सुना, तो वे बहुत घबराए और रोते हुए उन्होंने चाहा कि उनके बेटे के बदले वे आप मर जाते।

2 शमूएल 19:2

उस दिन की विजय सब लोगों की समझ में विलाप ही का कारण क्यों बन गई?

उस दिन की विजय सब लोगों की समझ में विलाप ही का कारण बन गई क्योंकि लोगों ने उस दिन सुना, कि राजा अपने बेटे के लिये खेदित है।

2 शमूएल 19:4

राजा की पुकार क्या थी?

राजा पुकारते रहे, "हाय मेरे बेटे अबशालोम! हाय अबशालोम, मेरे बेटे, मेरे बेटे!!"

2 शमूएल 19:6

योआब ने क्या कहा कि उसने जान लिया जिससे राजा प्रसन्न होते?

योआब ने कहा कि उसने जान लिया कि यदि वे और राजा के कर्मचारी आज मारे जाते और अबशालोम जीवित रहता, तो राजा बहुत प्रसन्न होते।

2 शमूएल 19:7

योआब ने राजा से क्या कहा कि यदि राजा उठकर बाहर न जाए और अपने कर्मचारियों को शान्ति न दे, तो क्या होगा?

योआब ने कहा कि यदि राजा बाहर न जाएँगे, तो आज रात को एक मनुष्य भी उनके संग न रहेगा।

2 शमूएल 19:8

सब लोग राजा के सामने कब आए?

जब सब लोगों को यह बताया गया, कि राजा फाटक में बैठे हैं; तब सब लोग राजा के सामने आए।

2 शमूएल 19:10

इस्राएल के सब गोत्रों के सब लोग आपस में किस विषय पर झगड़ रहे थे?

इस्राएल के सब गोत्रों के सब लोग आपस में यह कहकर झगड़ रहे थे कि राजा को लौटा ले आना चाहिए या नहीं।

2 शमूएल 19:11

राजा दाऊद ने राजा को लौटाने के विषय में यहूदी पुरनियों से बात करने के लिये किसे कहला भेजा?

दाऊद ने सादोक और एब्यातार याजकों को यहूदी पुरनियों से बात करने के लिये कहला भेजा।

2 शमूएल 19:13

दाऊद ने कहा कि योआब के स्थान पर सेनापति कौन ठहरेगा?

दाऊद ने कहा कि योआब के स्थान पर सेनापति अमासा ठहरेगा।

2 शमूएल 19:15

यहूदी लोग गिलगाल तक क्यों गए?

यहूदी लोग गिलगाल तक गए कि राजा से मिलकर उन्हें यरदन पार ले आएँ।

2 शमूएल 19:16–17

राजा के सामने यरदन के पार कौन पैदल उतर गए?

शिमी के संग हजार बिन्यामीनी पुरुष और शाऊल के घराने का कर्मचारी सीबा अपने पन्द्रह पुत्रों और बीस दासों समेत, राजा के सामने यरदन के पार पैदल उतर गए।

2 शमूएल 19:20

शिमी राजा से भेंट करने के लिये यूसुफ के समस्त घराने में से पहले क्यों आए?

शिमी राजा से भेंट करने के लिये आए क्योंकि शिमी जानते थे कि उन्होंने राजा के विरुद्ध पाप किया है।

2 शमूएल 19:23

जब अबीशै ने कहा कि शिमी का वध करना चाहिए, तब राजा ने शिमी से क्या कहा?

राजा ने शिमी से कहा कि उसे प्राणदण्ड न मिलेगा और उन्होंने उससे शपथ भी खाई।

2 शमूएल 19:24

जब मपीबोशेत राजा से भेंट करने को आए, तब वे कैसे दिख रहे थे?

मपीबोशेत राजा के चले जाने के दिन से न अपने पाँवों के नाखून काटे, और न अपनी दाढ़ी बनवाई, और न अपने कपड़े धुलवाए थे।

2 शमूएल 19:26

जब राजा ने मपीबोशेत से पूछा, "हे मपीबोशेत, तू मेरे संग क्यों नहीं गया था?" तो मपीबोशेत ने क्या कारण बताया?

मपीबोशेत ने राजा से कहा कि उनके कर्मचारी, सीबा, ने उन्हें धोखा दिया था।

2 शमूएल 19:27

मपीबोशेत ने और क्या कहा कि सीबा ने उनके साथ क्या किया?

मपीबोशेत ने कहा कि सीबा ने राजा के सामने मपीबोशेत की चुगली की थी।

2 शमूएल 19:30

जब राजा ने कहा कि उनकी आज्ञा यह है कि उस भूमि को मपीबोशेत और सीबा दोनों आपस में बाँट ले, तब मपीबोशेत ने राजा से क्या कहा?

मपीबोशेत ने राजा से कहा कि राजा जो कुशल क्षेम से अपने घर आए हैं, इसलिए सीबा ही सब कुछ ले ले।

2 शमूएल 19:32

बर्जिल्लै ने राजा के लिये क्या किया?

जब तक राजा महनैम में रहते थे तब तक वे उनका पालन-पोषण करते रहे।

2 शमूएल 19:34-35

संक्षेप में बताए, बर्जिल्लै ने क्यों कहा कि उन्हें राजा के संग यरूशलेम को नहीं जाना चाहिए?

बर्जिल्लै ने कहा कि उन्हें राजा के संग यरूशलेम को नहीं जाना चाहिए क्योंकि वे बहुत वृद्ध थे और उनके पास जीवित रहने के दिन कम थे, और वे जो कुछ खाते पीते थे उसका स्वाद पहचान नहीं सकते थे, वे कोई शब्द नहीं सुन सकते थे, और वे राजा के लिये बोझ का कारण नहीं बनना चाहते थे।

2 शमूएल 19:37

बर्जिल्लै ने राजा से क्या विनती की?

बर्जिल्लै ने राजा से विनती की कि उन्हें लौटने दें कि वे अपने ही नगर में मरे, और किम्हाम राजा के संग पार जाए और जैसा राजा को भाए वैसा ही किम्हाम से व्यवहार करें।

2 शमूएल 19:40

राजा के संग गिलगाल की ओर पार कौन गए?

किम्हाम, और सब यहूदी लोग और आधे इस्राएली लोग राजा के संग गिलगाल की ओर पार गए।

2 शमूएल 19:43

इस्राएली पुरुषों ने क्यों कहा कि दाऊद में उनका भाग यहूदी पुरुषों के भाग से बड़ा है?

इस्राएली पुरुषों ने कहा कि दाऊद में उनका भाग बड़ा है क्योंकि राजा में दस अंश उनके हैं।

2 शमूएल 19:43 (#2)

किसने अधिक कड़ी बातें कहीं, यहूदी पुरुषों ने या इस्राएली पुरुषों ने?

यहूदी पुरुषों ने इस्राएली पुरुषों से अधिक कड़ी बातें कहीं।

2 शमूएल 20:1

शेबा को ओछा पुरुष क्यों माना जाता था?

शेबा को ओछा पुरुष इसलिए माना जाता था क्योंकि उसने इस्राएलियों को दाऊद में उनका कुछ अंश नहीं रखने के लिये प्रोत्साहित किया था।

2 शमूएल 20:2

यहूदी पुरुष की शेबा के प्रति प्रतिक्रिया इस्राएली पुरुष की प्रतिक्रिया से किस प्रकार भिन्न थी?

यहूदी पुरुष अपने राजा के संग लगे रहे, परन्तु इस्राएली पुरुष दाऊद के पीछे चलना छोड़कर शेबा के पीछे हो लिए।

2 शमूएल 20:3

जब दाऊद ने उन दस रखैलों को अलग एक घर में रखा, तो उनके साथ उसका सम्बंध कैसे बदल गया?

दाऊद उनका पालन-पोषण करते रहे, परन्तु उनसे सहवास न किया, इसलिए वे विधवापन की सी दशा में जीवित रहे।

2 शमूएल 20:4–5

राजा ने अमासा से क्या करने को कहा?

राजा ने अमासा से कहा कि यहूदी पुरुषों को तीन दिन के भीतर उनके पास बुला ला, और वह भी यहाँ उपस्थित रहना चाहिए।

2 शमूएल 20:6–7

दाऊद ने इस समाचार पर क्या प्रतिक्रिया दी कि इस्राएली पुरुष दाऊद के पीछे चलना छोड़कर शेबा के पीछे चले गए हैं?

दाऊद ने अबीशै को आज्ञा दी कि वे दाऊद के लोगों को लेकर शेबा का पीछा करें, इससे पहले कि वह किसी गढ़वाले नगर को पा ले।

2 शमूएल 20:9–10

जब योआब ने अपना दाहिना हाथ बढ़ाकर अमासा को चूमने के लिये उसकी दाढ़ी पकड़ी, तब योआब ने अमासा के साथ क्या किया?

योआब ने अमासा को अपने बाएँ हाथ से पेट में भोंक दी।

2 शमूएल 20:11–13

अमासा के पेट में भोंक देने पर योआब के एक जवान ने कैसी प्रतिक्रिया दिखाई?

योआब के एक जवान ने अमासा को सड़क पर से मैदान में उठा ले गया और उसके ऊपर एक कपड़ा डाल दिया और फिर सभी को चुनौती दी जो कोई योआब के पक्ष और दाऊद की ओर का हो वह योआब के पीछे हो ले।

2 शमूएल 20:14–15

योआब और यहूदी पुरुष ने शेबा और इस्राएली पुरुष को आबेल्वेत्माका में घेरने के बाद क्या किया?

योआब और यहूदी पुरुष नगर के सामने एक टीला खड़ा किया कि वह शहरपनाह से सट गया और शहरपनाह को गिराने के लिये धक्का देने लगे।

2 शमूएल 20:18–19

स्त्री ने योआब को अपने आबेल नगर का वर्णन कैसे किया?

स्त्री ने आबेल को एक ऐसे नगर के रूप में वर्णित किया जो इस्राएल में मेल मिलापवाले और विश्वासयोग्य था, और साथ ही एक ऐसे नगर जो इस्राएल में एक प्रधान नगर था।

2 शमूएल 20:19

संक्षेप में बताए, स्त्री ने योआब से क्या पूछा?

स्त्री ने योआब से पूछा कि वे आबेल नगर को नष्ट करने का यत्न क्यों कर रहे हैं।

2 शमूएल 20:20–21

योआब ने उस स्त्री के सामने क्या बात रखी जिसके अनुसार वह और यहूदी पुरुष नगर को छोड़कर चले जाएंगे?

योआब ने स्त्री के सामने जो बात रखी थी, वह यह थी कि यदि नगर के लोग केवल शेबा को सौंप देंगे, तब वे नगर को छोड़कर चले जाएंगे।

2 शमूएल 20:21–22

नगर के लोगों और स्त्री ने योआब की बात पर क्या प्रतिक्रिया दी?

नगर के लोगों ने शेबा का सिर काटकर शहरपनाह पर से योआब के पास फेंक दिया, जैसा कि स्त्री ने घोषणा की थी कि वे ऐसा करेंगे।

2 शमूएल 20:24

अदोराम की जिम्मेदारी क्या थी?

अदोराम बेगारों के ऊपर था।

2 शमूएल 21:1

दाऊद के दिनों में लगातार तीन वर्ष तक अकाल क्यों पड़ा?

तीन वर्ष तक लगातार अकाल पड़ा क्योंकि शाऊल और उसके खूनी घराने ने गिबोनियों को मरवा डाला था।

2 शमूएल 21:2–3

राजा दाऊद गिबोनियों से प्रायश्चित क्यों करना चाहते थे?

राजा दाऊद गिबोनियों से प्रायश्चित करना चाहते थे क्योंकि इस्राएलियों ने उनके साथ शपथ खाई थी कि वे उन्हें नहीं मार डालेंगे, परन्तु शाऊल को जो इस्राएलियों और यहूदियों के लिये जलन हुई थी, इससे उसने उन्हें मार डालने के लिये यत्न किया था।

2 शमूएल 21:4

दाऊद ने गिबोनियों के साथ हुए इस अन्याय का प्रायश्चित करने के लिये क्या करने को माना?

दाऊद ने गिबोनियों से कहा कि जो कुछ गिबोनी उनसे कहेंगे, वही उनके लिये करेंगे।

2 शमूएल 21:5–6

गिबोनियों ने दाऊद से शाऊल के कामों के प्रायश्चित के लिये क्या विनती की?

गिबोनियों ने विनती की कि शाऊल के वंश के सात जन उन्हें सौंप दिए जाएँ ताकि उन्हें यहोवा के लिये फांसी दी जा सके।

2 शमूएल 21:7–9

दाऊद ने गिबोनियों की विनती पर क्या प्रतिक्रिया दिखाई?

दाऊद ने गिबोनियों की विनती की प्रतिक्रिया देते हुए मपीबोशेत को बचाए रखा, जबकि रिस्पा के दोनों पुत्र और मीकल के पाँचों बेटे को गिबोनियों द्वारा पहाड़ पर यहोवा के सामने फांसी दी।

2 शमूएल 21:10–11

रिस्पा ने अपने पुत्रों की मृत्यु पर अपना शोक कैसे व्यक्त किया?

रिस्पा ने टाट लेकर चट्टान पर उसे अपने नीचे बिछाये रही; और न तो दिन में आकाश के पक्षियों को, और न रात में जंगली पशुओं को उन्हें छूने दिया।

2 शमूएल 21:12

दाऊद ने शाऊल और योनातान की हड्डियाँ किससे लिया?

दाऊद ने शाऊल और योनातान की हड्डियों को गिलादी याबेश के लोगों से ले लिया।

2 शमूएल 21:15–17

जब दाऊद युद्ध में थके हुए थे, तब अबीशै ने उन्हें कैसे बचाया?

जब दाऊद युद्ध में थके हुए थे, तब अबीशै ने दाऊद की सहायता करके यिशबोबनोब पलिश्ती को ऐसा मारा कि वह मर गया जो दाऊद को मारना चाहता था।

2 शमूएल 21:17

दाऊद के जनों ने क्यों शपथ खाकर कहा कि वह फिर उनके संग युद्ध को जाने न पाए?

दाऊद के जनों ने शपथ खाकर कहा कि दाऊद अब उनके संग युद्ध में न जाने पाए क्योंकि उन्हें डर था कि दाऊद के मरने से इस्राएल का दिया बुझ सकता है।

2 शमूएल 21:20–22

दाऊद और उनके जनों ने गत में जिन लोगों को मार डाला था, वे किनसे उत्पन्न हुए थे?

दाऊद और उनके जनों ने गत में रापा से उत्पन्न हुए लोगों को मार डाला था।

2 शमूएल 22:1–2

दाऊद ने यह गीत कब गाया कि यहोवा वह चट्टान हैं जिन्होंने उन्हें बचाया?

जिस दिन यहोवा ने दाऊद को उनके सब शत्रुओं और शाऊल के हाथ से बचाया था, उस दिन उन्होंने गाया कि यहोवा उनकी चट्टान था।

2 शमूएल 22:3–4

दाऊद ने क्या कारण बताया कि वे यहोवा को क्यों पुकारेंगे जो उनकी चट्टान हैं?

दाऊद ने कहा कि वे यहोवा को अपनी चट्टान इसलिए कहकर पुकारेंगे क्योंकि यहोवा स्तुति के योग्य हैं।

2 शमूएल 22:5–6

जब दाऊद अपने शत्रुओं के हाथ में थे, तब उन्हें कैसा लगा?

दाऊद को ऐसा लगा जैसे कि वे मृत्यु के तरंगों और अधोलोक की रस्सियाँ से चारों ओर घेरे हुए हो।

2 शमूएल 22:7

दाऊद ने अपने संकट की परिस्थितियों पर कैसी प्रतिक्रिया दी?

अपने संकट में दाऊद ने यहोवा को पुकारा, और उन्होंने अपनी मन्दिर से उनकी दुहाई सुनी।

2 शमूएल 22:8–9

परमेश्वर के अति क्रोधित होने के कारण क्या हुआ?

पृथ्वी और आकाश की नींवें काँपकर बहुत ही हिल गईं क्योंकि परमेश्वर अति क्रोधित थे, और उनके नथनों से धुआँ निकला और उनके मुँह से आग निकलकर भस्म करने लगी।

2 शमूएल 22:10–12

यहोवा स्वर्ग से नीचे कैसे उतर आए?

यहोवा एक करूब पर सवार होकर पवन के पंखों पर चढ़ रहे थे।

2 शमूएल 22:13–15

यहोवा ने अपने शत्रुओं को कैसे तितर-बितर किया?

यहोवा ने अपने शत्रुओं को तीर और बिजली से उन्हें परास्त कर तितर-बितर किया।

2 शमूएल 22:16

जगत की नेवें कैसे खुल गईं?

जगत की नेवें यहोवा की डाँट से और उनकी नथनों की साँस की झोंक से खुल गईं।

2 शमूएल 22:17–18

यहोवा ने दाऊद को अपने बैरियों से कैसे बचाया?

यहोवा ने ऊपर से हाथ बढ़ाकर उन्हें गहरे जल में से खींचकर बाहर निकाला।

2 शमूएल 22:19–21

यहोवा ने दाऊद को क्यों छुड़ाया?

यहोवा ने दाऊद को इसलिए छुड़ाया क्योंकि वे उनसे प्रसन्न थे।

2 शमूएल 22:22–23

दाऊद यहोवा के मार्गों पर कैसे चलते रहे?

दाऊद अपने परमेश्वर से मुँह मोड़कर दुष्ट बनने के बदले यहोवा की विधियों का पालन करके यहोवा के मार्ग पर चलते रहे।

2 शमूएल 22:24–25

दाऊद ने अधर्म से अपने आप को बचाए रखा, तब क्या हुआ?

यहोवा ने दाऊद को उनकी धार्मिकता के अनुसार बदला दिया क्योंकि उन्होंने अधर्म से अपने आप को बचाए रखा।

2 शमूएल 22:28–29

यहोवा अभिमानियों के साथ क्या करते हैं?

यहोवा अभिमानियों को नीचा करते हैं।

2 शमूएल 22:30–31

अपने सब शरणागतों के लिये यहोवा क्या हैं?

यहोवा अपने सब शरणागतों के लिये ढाल हैं।

2 शमूएल 22:32–33

दाऊद ने यहोवा को अपना अति दृढ़ किला क्यों माना?

दाऊद ने यहोवा को अपना अति दृढ़ किला माना क्योंकि वे उनकी चट्टान थे और खरे मनुष्य को अपने मार्ग में चलाया।

2 शमूएल 22:36–37

दाऊद के पैर क्यों नहीं फिसले?

दाऊद के पैर इसलिए नहीं फिसले क्योंकि यहोवा उनकी उद्धार की ढाल थे और उन्होंने उनके पैरों के लिये स्थान चौड़ा किया था।

2 शमूएल 22:42–43

जब दाऊद के शत्रुओं ने यहोवा की बाट जोही, तब दाऊद ने उनके साथ क्या किया?

जब दाऊद के शत्रुओं ने यहोवा की बाट जोही, तब दाऊद ने उनको कूट कूटकर भूमि की धूल के समान कर दिया और उन्हें सड़कों और गली कूचों की कीचड़ के समान पटककर चारों ओर फैला दिया।

2 शमूएल 22:44–46

यहोवा ने दाऊद के लिये क्या किया?

यहोवा ने दाऊद को उनकी प्रजा के झगड़ों से छुड़ाकर अन्यजातियों का प्रधान होने के लिये उनकी रक्षा की।

2 शमूएल 22:47–49

यहोवा ने दाऊद की ओर से क्या किया?

यहोवा ने दाऊद का पलटा लिया और उन्हें उनके शत्रुओं के बीच से निकाला।

2 शमूएल 22:50–51

दाऊद ने यहोवा के नाम का भजन क्यों गाया?

दाऊद ने यहोवा के नाम का भजन इसलिए गाया क्योंकि उन्होंने उनका बड़ा उद्धार किया और अपनी करुणा की।

2 शमूएल 23:1–2

दाऊद किसके लिये जाने जाते थे?

दाऊद वह पुरुष थे जो ऊँचे पर खड़ा किए गए और याकूब के परमेश्वर के अभिषिक्त थे।

2 शमूएल 23:3-4

इस्राएल के परमेश्वर ने दाऊद से क्या कहा?

इस्राएल के परमेश्वर ने कहा कि जो परमेश्वर का भय मानता हुआ प्रभुता करेगा, वह मानो भोर का प्रकाश होगा जब सूर्य निकलता है।

2 शमूएल 23:6-7

ओछे लोग सब के सब निकम्मी झाड़ियों के समान क्यों हैं?

ओछे लोग सब के सब निकम्मी झाड़ियों के समान हैं क्योंकि वे हाथ से पकड़ी नहीं जातीं।

2 शमूएल 23:9-10

जब वे युद्ध के लिये एकत्रित हुए, तब एलीआजर ने पलिश्तियों को कैसे ललकारा?

एलीआजर पलिश्तियों को तब तक मारते रहे जब तक उनका हाथ थक न गया, और तलवार हाथ से चिपट न गई।

2 शमूएल 23:11-12

शम्मा ने पलिश्तियों के विरुद्ध क्या बचाव किया?

शम्मा मसूर के खेत के मध्य में खड़े होकर उन्हें बचाया।

2 शमूएल 23:15-16

जब तीन वीरों ने सुना कि दाऊद बैतलहम के फाटक के पास के कुएँ का पानी पीने की अभिलाषा कर रहे हैं, तब उन्होंने क्या किया?

तीनों वीर पलिश्तियों की छावनी पर टूट पड़े, और बैतलहम के फाटक के कुएँ से पानी भरकर दाऊद के पास ले आए।

2 शमूएल 23:16-17

दाऊद ने बैतलहम के फाटक के कुएँ का पानी पीने से इनकार क्यों किया?

दाऊद ने बैतलहम के फाटक के कुएँ का पानी पीने से इनकार किया क्योंकि उन मनुष्यों ने इसके लिये अपने प्राणों पर खेलकर गए थे। इसलिए उन्होंने यहोवा के सामने अर्घ करके उण्डेला।

2 शमूएल 23:18-19

अबीशै किसके लिये जाने जाते थे?

अबीशै तीनों से मुख्य थे और उन्होंने अपना भाला चलाकर तीन सौ को मार डाला।

2 शमूएल 23:21

बनायाह ने एक रूपवान मिस्री पुरुष को कैसे मार डाला?

बनायाह एक लाठी ही लिए हुए रूपवान मिस्री पुरुष को मार डाला, जो हाथ में भाला लिए हुए था। बनायाह ने मिस्री के हाथ से भाला छीनकर उसी के भाले से उसे घात किया।

2 शमूएल 24:1-2

दाऊद ने योआब से क्या करने को कहा?

दाऊद ने योआब से सब इस्राएली गोत्रों में प्रजा की गिनती लेने को कहा, ताकि जान ले कि प्रजा की कितनी गिनती है।

2 शमूएल 24:3-4

योआब दाऊद की बात मानने से क्यों हिचकिचा रहे थे?

योआब दाऊद की आज्ञा मानने से हिचकिचा रहे थे क्योंकि वे नहीं समझ पाए कि उनके प्रभु राजा ये बात क्यों चाहते थे।

2 शमूएल 24:8

योआब को सारे देश में इधर-उधर घूम घूमकर यरूशलेम को आने में कितना समय लगा?

योआब को सारे देश में इधर-उधर घूम घूमकर यरूशलेम को आने में नौ महीने और बीस दिन का समय लगा।

2 शमूएल 24:9

योआब ने कितने प्रजा की गिनती की?

योआब ने इस्राएल में आठ लाख और यहूदा में पाँच लाख योद्धा की गिनती की।

2 शमूएल 24:10

प्रजा की गणना करने के बाद दाऊद का मन क्यों व्याकुल हुआ?

दाऊद का मन व्याकुल हुआ क्योंकि उन्होंने जाना कि उनसे बड़ी मूर्खता हुई और महापाप किया।

2 शमूएल 24:11–12

यहोवा ने अपने नबी के द्वारा दाऊद को क्या वचन दिया?

यहोवा ने दाऊद से कहा कि उन्हें तीन विपत्तियों में से एक को चुनना है।

2 शमूएल 24:13

यहोवा ने अपने नबी गाद के द्वारा दाऊद को कौन सी तीन विपत्तियाँ दिए?

यहोवा ने दाऊद से पूछा कि क्या वे सात वर्ष का अकाल या तीन महीने तक अपने शत्रु से भागते रहना, या देश में तीन दिन तक मरी फैली रहे, चाहते हैं।

2 शमूएल 24:15–16

मरी में सत्तर हजार से ज़्यादा पुरुष क्यों नहीं मरे?

केवल सत्तर हजार पुरुष ही मरे क्योंकि यहोवा वह विपत्ति डालकर शोकित हुए और अपना हाथ खींच लिया।

2 शमूएल 24:17

जब दाऊद ने अपना महापाप जान लिया, तब उन्होंने यहोवा से क्या विनती की?

दाऊद ने यहोवा से विनती की कि वे इस महापाप के लिये इस्राएल के लोगों के बदले उन्हें और उनके पिता के घराने के विरुद्ध हाथ रखे।

2 शमूएल 24:18–20

नबी गाद ने दाऊद से क्या करने को कहा?

गाद ने दाऊद से कहा कि वे जाकर अरौना के खलिहान में यहोवा की एक वेदी बनाए।

2 शमूएल 24:21

दाऊद का अरौना के पास जाने का उद्देश्य क्या था?

दाऊद अरौना का खलिहान मोल लेना चाहते थे कि वे यहोवा की एक वेदी बना सकें, इसलिए कि यह महामारी प्रजा पर से दूर की जाए।

2 शमूएल 24:24

दाऊद ने अरौना के खलिहान को दाम देकर ही क्यों मोल लिया?

दाऊद ने अरौना से कहा कि वह इसे अवश्य दाम देकर इसलिए मोल लेना चाहते है क्योंकि वे अपने परमेश्वर यहोवा को सेंत-मेंत के होमबलि नहीं चढ़ाने चाहते हैं।

2 शमूएल 24:25

दाऊद ने महामारी इस्राएल पर से कैसे दूर की?

दाऊद ने यहोवा की एक वेदी बनवाकर होमबलि और मेलबलि चढ़ाए, जिससे महामारी इस्राएल पर से दूर हो गई।